श्रावण कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 18 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 जुलाई 2025 सोमवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

संसद का मानसून सत्र शुरू, पीएम ने कहा-22 मिनट में दुनिया ने देखा हमारा सैन्य सामर्थ्य

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए अड़ा विपक्ष
जोरदार हंगामे के बाद कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली एजेंसी

संसद का मॉनसून सत्र आज से शुरू हो गया है। बिहार में मचे राजनीतिक घमासान और कुछ अन्य मुद्दों पर विपक्ष के तेवर देखते हुए यह सत्र काफी महत्वपूर्ण बन गया है। हंगामे के भी आसार हैं,इसकी बानगी तब मिली जब लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने आपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग उठा दी व नारेबाजी भी होने लगी, इस हंगामे के चलते लोकसभा को दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा में भी हंगामा हुआ व कार्रवाई स्थगित हुई, मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार को जवाब देना चाहिए,अभी तक पहलगाम आतंकी नहीं पकडे गये हैं। उल्लेखनीय है कि विपक्ष काफी समय से आपरेशन सिंदूर पर सरकार द्वारा सदन में बात रखने की मांग कर रहा है उसने विशेष सत्र भी ?बुलाने की मांग गत माह की थी। उधर आज सदन शुरू होने से पहले ही पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया के समक्ष बात रखी। उन्होंने कहा कि हमने 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया, दुनिया ने भारत का सैन्य सामर्थ्य देखा। ऑपरेशन के तहत भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह सौ फीसदी हासिल किया गया।

18 बैठकें व 15 बिल

संसद का यह मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक 32 दिन चलेगा। इसमें 32 दिन में 18 बैठकें, 15 से ज्यादा बिल पेश होंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण 13-14 अगस्त को संसद की कार्यवाही नहीं होगी। बताया जाता है कि केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 नए बिल पेश करेगी, जबकि 7 लंबित बिलों पर चर्चा होगी। इनमें मणिपुर जीएसटी संशोधन बिल, इनकम टैक्स बिल, नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल जैसे विधेयक शामिल हैं। पहले दिन नए इनकम टैक्स बिल पर बनी संसदीय कमेटी की रिपोर्ट लोकसभा में पेश होगी। कमेटी ने 285 सुझाव दिए हैं। 622 पन्नों वाला बिल 6 दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को रिप्लेस करेगा।

सदस्यों को बोलने की अनुमति नहीं : राहुल

लोकसभा स्थगित होने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा- सवाल यह है कि रक्षा मंत्री को सदन में बोलने की अनुमति है, लेकिन विपक्ष के सदस्यों, जिनमें मैं भी शामिल हूं और विपक्ष का नेता हूं, मगर मुझे बोलने की अनुमति नहीं है।परंपरा कहती है कि अगर सरकार की ओर से लोग बोल सकते हैं, तो हमें भी बोलने की जगह दी जानी चाहिए। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'चर्चा के एजेंडे पर फैसला करने के लिए ढाई बजे बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक होगी। सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्षी सांसद वेल में विरोध कर रहे हैं। पहले दिन इस तरह विरोध सही नहीं है।

इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है। पीएम मोदी ने कहा-पहलगाम नरसंहार से पूरी दुनिया चौंक उठी थी। उस समय दलहित छोड़कर देशहित में हमारे ज्यादातर दलों के प्रतिनिधियों ने विदेश भ्रमण किया और दुनिया के सामने आतंकियों के आका पाकिस्तान को बेनकाब करने का काम किया।

आज सदन के भीतर कार्रवाई शुरू होते ही दोनों सदनों में सबसे पहले पहलगाम हमला और अहमदाबाद प्लेन क्रैश के मृतकों को सदन में श्रद्धांजलि दी गई। हालांकि लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। इस पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर पर प्रश्नकाल के बाद चर्चा होगी तथा सरकार हर सवाल का जवाब देगी। उन्होंने विपक्ष के हंगामे पर कहा कि ये तरीका उचित नहीं है, पहले ही दिन ये आचरण सही नहीं है और हमें मिथक तोड़ना चाहिए।

सत्र में ऑपरेशन सिंदूर, भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम, डोनाल्ड ट्रम्प के सीजफायर पर दावे और बिहार वोटर लिस्ट जैसे मुद्दों पर हंगामा होने के आसार हैं। विपक्ष इन सभी मुद्दों पर पीएम से जवाब चाहता है। इसके लिए बैठकों में तैयारी भी की गई है।

सीएम यादव व विस अध्यक्ष तोमर ने किया भूमिपूजन

राजधानी में विधायकों के नए आशियाने बनाने की शुरूआत

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र के विधायकों के लिए अब अरेरा हिल्स पर 159.13 करोड़ रुपए की लागत से 102 नए फ्लैट बनाने की आधारशिला आज रख दी गई। यह प्रोजेक्ट लंबे समय से अनिश्चय में झूल रहा था। इस नये निर्माण के साथ ही यहां मौजूद करीब 67 साल पुराने विधायक विश्राम गृह का नजारा बदल जाएगा। जर्जर बताए जा रहे एमएलए रेस्ट हाउस को तोड़कर यह नए फ्लैट बनाए जाएंगे। आज सुबह मुख्यमंत्री मोहन यादव व विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र तोमर ने इसका भूमिपूजन किया।

यादव ने कहा कि ये विश्राम गृह नहीं, बल्कि सेवा ग्रह बनेगा। विजन डॉक्यूमेंट में हमारी पार्टी ने इसे शामिल किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गूगल का जमाना है। ऐसे में सारे संसाधनों के साथ जब विधायक अपनी विधानसभा में बैठेंगे और विधानसभा में काम करने आएंगे, तो इस सारे तंत्र का और व्यवस्थाओं का लाभ भी लेंगे। इसलिए भोपाल में विधायक विश्राम गृह भी अच्छा होना चाहिए।

इस मौके पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, लोनिवि मंत्री राकेश सिंह, राज्यमंत्री कृष्णा गौर,विधानसभा के पीएस एपी सिंह, सचिव अरविंद दुबे आदि मौजूद थे। इस मौके पर विजयवर्गीय ने कहा कि विधानसभा में कंप्यूटराइजेशन हो रहा है। तकनीक से जुड़कर विधायक नहीं चले, तो पीछे रह जाएंगे। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि मौजूदा विश्राम गृह 66 साल पुराना है। नए विश्राम गृह की जरूरत थी, यह केवल 18 माह में ये विधायक विश्राम गृह बनकर तैयार होगा। इस नयी योजना में बहुमंजिला आवास बनाने के लिए विश्राम गृह के खंड एक और पुराने पारिवारिक खंड के साथ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को तोड़ा जाएगा। इसकी जगह नए फ्लैट बनेंगे। पुराने पारिवारिक खंड में 24 आवास हैं, जो 700 वर्ग फीट के हैं, जबकि खंड एक में 102 सिंगल रूम कमरे हैं।

14.66 एकड़ में पूरा प्रोजेक्ट, 10 मंजिल

बताया जाता है कि नए प्रोजेक्ट में 5 विंग बनाई जाएंगी। प्रत्येक विंग में 18 से लेकर 22 तक फ्लैट बनेंगे। सभी भवनों की ऊंचाई 24 मीटर होगी। एक फ्लैट का निर्मित क्षेत्र 243 वर्ग मीटर (2615 वर्ग फीट) होगा। कुल निर्मित क्षेत्र 36943 वर्ग मीटर (397654.50 वर्ग फीट) रहेगा। प्रोजेक्ट का कुल क्षेत्रफल 14.66 एकड़ है। दावा किया जा रहा है कि यहां बरसों पुराने बरगद और पीपल के पेड़ व हरियाली सुरक्षित रहेगी। परिसर में बच्चों का पार्क, पुलिस कंट्रोल रूम, फॉर्मल गार्डन, जनरल पार्किंग और इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन भी होंगे।

केरल कांग्रेस ने किया सांसद थरूर का बायकाट

तिरुवनंतपुरम एजेंसी। केरल कांग्रेस के सीनियर नेता के. मुरलीधरन ने कह दिया है कि पार्टी सांसद शशि थरूर को तिरुवनंतपुरम में तब तक किसी भी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा, जब तक वह राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपना रुख नहीं बदलते। मुरलीधरन ने कहा है कि थरूर अब हमारे साथ नहीं हैं। इसलिए उनके द्वारा किसी कार्यक्रम का बहिष्कार करने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा,कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर थरूर को अब हम में से एक नहीं माना जाता।

सीरिया में विरोधी फिर झड़पें, सीज फायर खतरें में

दमिश्क। दक्षिणी सीरिया के सुवैदा प्रांत के ग्रामीण इलाकों में रविवार को द्रूज समुदाय के लड़ाकों और अंतरिम सरकार समर्थित बद्दू आदिवासियों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जिससे क्षेत्र में युद्धविराम की नाजुक स्थिति और भी ख़तरे में पड़ गई है। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फ़ॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि द्रूज आबादी वाले इलाकों पर धावा बोलने की तैयारी के संकेतों के बीच, बुस्तान, दामा और नज़रान गाँवों में आदिवासी लड़ाकों की ओर से बड़ी सं या में बंदूकधारी इकट्ठा हो गए हैं।

मुंबई लोकल में विस्फोट के सभी आरोपी बरी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आज वर्ष 2006 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में 12 लोगों की दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। कोर्ट ने सबूतों के अभाव में उन्हें बरी भी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। यह फैसला उस आतंकवादी हमले के 19 साल बाद आया है, जिसने मुंबई के पश्चिमी रेलवे नेटवर्क को हिलाकर रख दिया था। हमले में 180 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। विशेष पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए सबूत आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए काफी नहीं थे।

फर्जी परिवहन मोबाइल एप से धोखाधड़ी, दो को गिरफ्तार किया

कोच्चि। केरल में कोच्चि साइबर पुलिस ने फर्जी परिवहन मोबाइल एप्लिकेशन के ज़रिए देशव्यापी साइबर धोखाधड़ी करने के मामले में उत्तर प्रदेश के वाराणसी से दो लोगों को गिर तार किया है।

आरोपी लोगों ने परिवहन एप के ज़रिए वाहनों का जुर्माना भरने के बहाने व्हाट्सएप से फर्जी फ़ाइलें भेजकर पीड़ितों को ठगा। गिरफ़्तार किए गए लोगों की पहचान अतुल कुमार सिंह (32) और मनीष यादव (24) के रूप में हुई है। दोनों उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। ये लोग एक टेलीग्राम बॉट का इस्तेमाल करके वाहनों की जानकारी इकट्ठा करते थे। इस फर्जीवाडे का मास्टरमाइंड मनीष यादव का 16 वर्षीय रिश्तेदार है।

एर्नाकुलम के व्यक्ति ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई थी कि एक फर्जी परिवहन लिंक के ज़रिए उससे 85,000 रुपये की ठगी की गई है। इस शिकायत के आधार पर कोच्चि साइबर पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज की और डिजिटल साक्ष्यों की मदद से आरोपियों को गिर तार कर लिया। आरोपियों के पास केरल, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के 2,700 से ज़्यादा वाहनों से संबंधित डेटा पाया गया।

हिमाचल व अमरनाथ यात्रा मार्ग में भूस्खलन से मौत

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश में आज चंबा जिले की चडी पंचायत में पहाड़ी से घर पर बड़ा पत्थर गिरने से नवविवाहित दंपती की मौत हो गई। हिमाचल के 4 जिलों के 9 सब डिवीजन में स्कूलों की आज छुट्टी कर दी गई है। उधर जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सोमवार सुबह वैष्णो देवी के पुराने रास्ते पर भूस्खलन में चार श्रद्धालु घायल हो गए। इधर, लेह की नुब्रा घाटी से एयरफोर्स ने फंसे 21 नागरिकों का रेस्क्यू किया। ये सभी बाढ़-बारिश और लैंडस्लाइड के कारण यहां फंसे हुए थे। मुंबई में रविवार रात से ही तेज बारिश जारी है, अंधेरी इलाके में सड़कों पर जलभराव हो गया है।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में रविवार देर रात शेरनाला के तेज बहाव में फंसे उत्तर प्रदेश के दस श्रद्धालुओं को चोरगलिया पुलिस ने सकुशल बचा लिया। नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीएन मीणा के अनुसार उत्तर प्रदेश में पीलीभीत के दस श्रद्धालु देर रात को जागेश्वर धाम से दर्शन कर लौट रहे थे। इसी बीच चोरगलिया रोड पर शेरनाला में उनका वाहन तेज बहाव की चपेट में आ गया और पलट गया। सूचना मिलने पर चोरगलिया पुलिस थाना प्रभारी राजेश जोशी कीक अगुवाई में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी श्रद्धालुओं को रस्सी के सहारे सकुशल बाहर निकाला।

आज महाकाल की सवारी, सीएम यादव भी शामिल होंगे

उज्जैन, एजेंसी

आज सावन का दूसरा सोमवार है और शिव मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें हैं। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के पट रात 2.30 बजे खोले गए। सुबह भस्म आरती की गई। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाला और रुद्राक्ष के साथ-साथ सुगंधित फूलों की माला भगवान महाकाल ने धारण की। अब शाम चार बजे जगतपिता महाकाल अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव भी महाकाल की सवारी में शामिल होंगे।

उधर उप्र के काशी में विश्वनाथ धाम के कपाट भी रात 3 बजे खुले, सुबह 4 बजे बाबा की मंगला आरती हुई में उन्हें स्वर्ण मुकुट व राम नाम माला पहनाई गई। मंदिर के बाहर भक्तों की 5 किमी लंबी कतारें हैं। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए। वहीं उत्तराखंड के हरिद्वार से गंगाजल लाने वाले कांवड़ियों की संख्या 3 करोड़ पार हो गई है। यहां हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत दूसरे राज्यों से कांवड़िए आ रहे हैं।

दो दिन में बारह सत्र

विधायकों को प्रशिक्षित करने कांग्रेस का संकल्प शिविर शुरू

मांडू दोपहर मेट्रो। आज से धार जिले के मांडू में कांग्रेस विधायकों की दो दिनों की ट्रेनिंग शुरु हो गई है। इसमें 12 सत्र होंगे, जिनमें नेता और विषय-विशेषज्ञ (एक्सपर्ट) विधायकों को संबोधित करेंगे।इसे नवसंकल्प शिविर नाम दिया गया है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भाजपा ने पचमढ़ी में पार्टी विधायकों सांसदों के लिये भी ट्रेनिंग सत्र रखा था। आज कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया। सेवादल की टीम के साथ हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ध्वजारोहण किया। कांग्रेस के ट्रेनिंग कैंप में पहुंचे विधायकों का आदिवासी परंपरा से स्वागत किया गया। सत्र की शुरूआत में मोटिवेशनल स्पीकर सोनू शर्मा ने विधायकों को जनप्रतिनिधि की भूमिका, नेतृत्व, अनुशासन और संगठनात्मक एकता पर संबोधित किया। फिर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने फर्जी मुकदमों और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग पर संवैधानिक प्रतिरोध के उपायों पर चर्चा की। जानकारी के मुताबिक पूर्व सीएम कमलनाथ वर्चुअली जुड़कर एक सत्र को संबोधित करेंगे। इसमें वे मध्यप्रदेश का भविष्य और आर्थिक नीति विषय पर प्रदेश की आर्थिक चुनौतियों, अवसरों और विकास की रूपरेखा पर अपना वक्तव्य देंगे।

मेट्रो एंकर

खराब सड़क को बनाने का काम शुरू, मंत्री-सांसद के बयान से देशभर में हुई थी किरकिरी

आवाज का सीधा नहीं लेकिन घूम फिरकर सीधी में असर हुआ...!

सीधी/भोपाल

पिछले दिनों एक अनावश्यक व अजब बोलों वाले विवाद के बाद ही सही लेकिन विवाद के मूल मुद्दे का निराकरण होता नजर आ रहा है। मप्र के सीधी जिले की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लीला साहू की आवाज में असर का रंग दिख रहा है। यानी गर्भवती महिला की मांग पर अब सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। इसकी जानकारी खुद लीला ने ही एक वीडियो के जरिए दी है। दरअसल उन्होंने रामपुर नैकिन विकासखंड इलाके के खड्डी खुर्द के बगैया टोला से गजरी को जोड़ने वाली सड़क की बेहद खराब स्थिति पर सोशल मीडिया में ध्यान आकर्षित कराया था। इसी को लेकर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लीला साहू पिछले एक साल से संघर्ष कर रही थीं। उन्होंने जिले के कलेक्टर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री मोहन यादव, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और सांसद राजेश मिश्रा से सड़क निर्माण की मांग की थी। लीला ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर सड़क की दुर्दशा भी दिखाई, जिससे भाजपा सरकार की काफी किरकिरी हुई।

अब खुश हैं लोग व लीला

इन बयानों की आलोचना के बाद अब जिला प्रशासन ने बारिश के समय लीला साहू और गांव की समस्या को संज्ञान में लेते हुए सड़क निर्माण का प्रारंभिक कार्य शुरू कर दिया है। लीला साहू ने खुद सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर जेसीबी मशीन और रोलर के साथ सड़क निर्माण कार्य दिखाया और खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि खराब सड़क के कारण एक बार उनके घर तक एंबुलेंस नहीं आ पाई थी, अब इसीलिए सड़क पर अस्थायी काम शुरू हो गया है ताकि एंबुलेंस पहुंच सके।

लीला का कहना था कि खराब सड़क होने से गांव की छह गर्भवती महिलाओं को अस्पताल जाने के लिए एंबुलेंस उनके घर तक नहीं पहुंच पाएगी। लेकिन उनकी इस बात पर सीधी सांसद ने बेतुकी सी बात कहकर विवाद पैदा कर दिया था और राष्ट्रीय स्तर तक यह बयान सुर्ख हो गया था। लीला ने वैसे तो एक साल पहले अपने गांव तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर एक वीडियो बनाया था।अब हाल में हताश होकर लीला ने फिर से एक वीडियो बनाकर अपनी पीड़ा साझा की। उन्हें उम्मीद थी कि डबल इंजन की सरकार उनकी बात सुनेगी. लेकिन जवाब में भाजपा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा, चिंता की क्या बात है। हमारे पास एंबुलेंस है, अस्पताल है, आशा कार्यकर्ता है, हम व्यवस्था करेंगे। डिलिवरी की एक संभावित तिथि होती है, बताएं तो हम एक हफ्ते पहले उठा लेंगे, अस्पताल में भर्ती करवा देंगे। इसी दौरान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का बयान भी सुर्ख हो गया जिसमें उन्होंने कहा कि जब तक सड़के हैं गड्ढे होते रहेंगे।उधर लीला ने भी जवाब दिया था कि गांव में छह गर्भवती हैं, समय पर एंबुलेंस न मिली तो..?

भोपाल के ऐशबाग इलाके में आने जाने वालों के लिये फुटओवर ब्रिज बनकर तैयार हो गया है।

उपभोक्ता आयोग का फरमान

उपभोक्ता को कूपन व कार्ड देने के बाद नहीं दी सेवा अब नवीन्स 'बापू की कुटिया' पर 10 हजार हर्जाना

भोपाल दोपहर मेट्रो

रेस्टोरेंट द्वारा स्कीम खत्म होने के बाद भी शुल्क लेकर कूपन व कार्ड देने और फिर सेवा न देने पर जिला उपभोक्ता आयोग ने उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया है। जिला उपभोक्ता आयोग ने इस कृत्य को सेवा में कमी और अनुचित व्यापार प्रथा बताते हुए एमपी नगर स्थित नवीन्स 'बापू की कुटिया' को आदेश दिए हैं कि वह उपभोक्ता को10 हजार रुपए का हर्जाना दो माह की अवधि के भीतर अदा करे। इसमें मानसिक, आर्थिक और शारीरिक पीड़ा के एवज में 7 हजार रुपए और वाद व्यय के रूप में 3 हजार रुपए शामिल है। निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं करने की स्थिति में उक्त राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज भी देना होगा।यह फैसला जुलाई माह में भोपाल के जिला उपभोक्ता आयोग की बैंच क्रमांक दो ने सुनाया है। आयोग ने पाया कि वर्मा को जिस दिन सदस्यता दी गई (17 नवंबर 2021), उस समय रेस्टोरेंट की स्कीम पहले ही जुलाई 2021 में समाप्त की जा चुकी थी। इसके बावजूद रेस्टोरेंट ने न केवल उनसे शुल्क वसूला, बल्कि उन्हें कूपन और कार्ड भी दिए, जिससे यह स्पष्ट होता है कि रेस्टोरेंट द्वारा उपभोक्ता को भ्रमित किया गया।

एक वर्ष की सदस्यता, डिस्काउंट कूपन देने का दावा

दरअसल, राजधानी के जितेन्द्र वर्मा ने मामले में जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया था। वर्मा ने बताया कि 'बापू की कुटिया' द्वारा ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नवंबर 2021 में एक डिस्काउंट स्कीम चलाई गई थी। इसके अंतर्गत रेस्टोरेंट ने 1,700 रु. की राशि लेकर एक वर्ष की सदस्यता और आकर्षक डिस्काउंट कूपन देने का दावा किया था। इस ऑफर पर भरोसा करते हुए वर्मा ने 17 नवंबर 2021 को 1,700 रु. नकद भुगतान कर सदस्यता प्राप्त की। रेस्टोरेंट की ओर से उन्हें मेंबरशिप कार्ड और कई डिस्काउंट कूपन भी दिए गए। लेकिन 12 दिसंबर 2021 को जब वर्मा अपने परिवार के साथ रेस्टोरेंट पहुंचे और भोजन के उपरांत बिल भुगतान करते समय डिस्काउंट कूपन का लाभ लेना चाहा, तो रेस्टोरेंट प्रबंधन ने उन्हें सूचित किया कि स्कीम तो जुलाई 2021 में ही बंद हो चुकी है। सदस्यता के तहत दिए गए कूपन और कार्ड वापस ले लिए गए और किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी गई।

ज्यादातर हिस्सों में सीलन, भविष्य में भी घटनाओं की आशंका

सरकारी स्कूल में छत का प्लास्टर कैसे गिरा, जांच कर रहे अफसर

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के बरखेड़ा स्थित शासकीय पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्कूल में चलती क्लास के दौरान छत का प्लास्टर छात्राओं पर गिरने के बाद इस कमरे को बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जांच के निर्देश दिए गए हैं। मामले में जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार का कहना है कि जांच के निर्देश दिए गए हैं।इसके साथ ही उक्त क्लास में फिलहाल कोई क्लास नहीं लगाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि इस हादसे में दो छात्राएं घायल हो गईं।मामले में खुलासा तब हुआ जब शनिवार को इस घटनाक्रम के सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। बताया जा रहा है कि इसी स्कूल में करीब एक हफ्ते पहले भी क्लास में छत का प्लास्टर गिरा था, हालांकि उस दौरान क्लास में कोई नहीं होने से हादसा टल गया था, लेकिन न तो इस पर स्कूल प्रबंधन ने ध्यान दिया और न ही वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी चिंता की। जानकारी के अनुसार, बारिश के साथ स्कूल के ज्यादातर हिस्सों में सीलन की समस्या लगातार बनी हुई है। ऐसे में भविष्य में भी घटनाओं की आशंका बनी हुई है।स्कूल में शौचालयों की स्थिति भी खराब है।

स्कूल प्रशासन ने की शिकायत

दरअसल, बरखेड़ा स्थित शासकीय पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्कूल के सीसीटीवी फुटेज और वीडियो सामने आए है। जिसमें दिख रहा है कि क्लास चल रही है और शिक्षिका खड़े होकर बच्चों को पढ़ा रही हैं। इसी दौरान अचानक छत का प्लास्टर उखड़कर नीचे आता है, जो सबसे आगे बैठी छात्राओं के सिर पर गिरता है।जिसके बाद क्लास में हड़कंप का माहौल हो गया। सभी छात्राएं और टीचर बाहर की ओर भागते नजर आए। इस घटना में पहली सीट पर बैठी दो छात्राओं के साथ ही टीचर और अन्य छात्राएं मामूली रूप से घायल हुई है। बताया जा रहा है कि मामले में स्कूल प्रशासन की ओर से जिला शिक्षा अधिकारी एक शिकायत पत्र दिया है। प्रबंधन ने बताया कि स्कूल की कक्षाओं में बारिश के बाद से ही सीलन की समस्या बनी हुई है, जिसकी सूचना पहले ही दी जा चुकी थी।

राजधानी की ट्रैफिक व अन्य समस्याओं पर बार बार सिर्फ मंथन

लेफ्ट टर्न और ई रिक्शा... समस्या पुरानी बैठकों का रिवाज भी पुराना, बड़ा बदलाव बाकी

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के एक जैसे दावे कई महीनों से किये जा रहे हैं। कभी इसके लिये बैठकें होती हैं तो कभी अफसर सड़कों पर मुआयना करते नजर आते हैं लेकिन बदलाव कुछ नहीं होता। यह बदलाव कहां ठहरा हुआ है यह भी कोई नहीं जानता। इसी कडी में दो दिन पहले फिर जब नए कंट्रोल रूम में बैठक हुई तो लगभग वही बातें और फैसले हुए जो कई बैठकों में होते आ रहे हैं। बस अमल में नहीं नजर आते हैं। बताते हैं कि इस बैठक में भी सांसद ने पीडब्ल्यूडी के ईई एचएस जायसवाल से पूछा कि शहर की सड़कों के लेफ्ट टर्न में सुधार किया जाना है। इसका वर्किंग प्लान कहां है। इसके जवाब में अफसर ने कहा कि वे प्लान लाना भूल गए हैं। बस, इस पर सांसद और कलेक्टर दोनों ने अफसर को फटकार लगाई। खास बात यह है कि करीब तीन सप्ताह पहले भी यही बात हुई थी और इसके पहले भी कमोबेश यही हुआ था। बस इस बार ताजा बात यह रखी गई कि शहर के लेफ्ट टर्न सुधारने के लिए 3 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। बैठक में ई-रिक्शा के संचालन से शहरों में वाहनों को हो रही भारी परेशानी को लेकर फिर चर्चा शुरू हुई।

कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों में इसे पूरी तरह से प्रतिबंधित कर रहे हैं। अभिभावकों से अपील की जा रही है कि वो भी इसमें बच्चों को न भेजें। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र सहित अन्य विभागों के अफसर मौजूद रहे।

अब मैनिट के एक्सपर्ट बनाएंगे रिपोर्ट

अब अफसरों को एक सप्ताह में लेफ्ट टर्न व्यवस्था सुधारने का प्लान एस्टीमेट के साथ तैयार करके देने को कहा गया है। शहर के 42 चौराहे हैं, जिनमें लेफ्ट टर्न की समस्या है। इनमें 29 चौराहे पीडब्ल्यूडी और 13 नगर निगम के हैं। दोनों विभाग के अधिकारी मैनिट के ट्रैफिक एक्सपर्ट के साथ मिलकर इन सभी चौराहों की रिपोर्ट एस्टीमेट के साथ प्रस्तुत करेंगे। यानी साफ है कि अभी भी लेफ्ट टर्न की समस्या एक डेढ महीने सुलझने वाली नहीं है। सांसद शर्मा ने कहा कि स्मार्ट पार्किंग आम नागरिकों के लिए है, न कि स्थायी मासिक पास धारकों के लिए है। लिहाजा मासिक पास की व्यवस्था तत्काल समाप्त करें। पार्किंग स्थल सुबह 8 से लेकर रात 11 बजे तक खुलने चाहिए। सड़कों पर बेतरतीब लगे बिजली ट्रांसफॉर्मर और खंबों को हटाया जाए। अब इसे लेकर भी अफसर प्लान बनाने में ही जुटे हैं जबकि यह समस्या महीनों बरसों पुरानी है।

स्कूली बच्चों को बैठने पर प्रतिबंध

शहर की सड़कों पर दौड़ रहे ई-रिक्शा बच्चों के लिए असुरक्षित हैं। इनमें स्कूली बच्चों को बैठाकर ले जाना खतरे से खाली नहीं हैं, इसलिए बच्चों को बैठाकर परिवहन करने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है है। यह आदेश कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर जारी किया है। इसके साथ ही शहर में तेजी से बढ़ते और बेतरतीब दौड़ते ई-रिक्शा पर पहली बड़ी कार्रवाई की गई है। हालांकि पिछली कई बैठकों में इस बात की जा रही थी, अब पहला बड़ा कदम उठाया गया है हालांकि शहर के मुख्य मार्गों पर ई-रिक्शा के दौड़ने पर रोक के स्पष्ट आदेश नहीं सामने आए है।

कलेक्ट्रेट में भी नया निर्माण का रास्ता खोजा

भोपाल दोपहर मेट्रो

भोपाल के कलेक्टोरेट और अन्य दफ्तरों को प्रोफेसर कॉलोनी शिफ्ट करने की बजाय लगभग 10 साल पहले इस परिसर के रिनोवेशन के लिए बने प्लान पर अमल करने की भी बात फिर शुरू हुई है। बताते हैं कि सांसद शर्मा की पहल पर शिफ्टिंग के संबंध में बैठक में मैनिट प्रोफेसर डॉ. आशुतोष शर्मा ने पुराने बने हुए प्लान का प्रेजेंटेशन भी दिखाया। माना जा रहा है कि कलेक्टोरेट की मौजूदा इमारत को ही नये सिरे से बनाया जाएगा और जरूरतों के मुताबिक ढाला जाएगा। इसे कुछ समय पहले प्रोफेसर्स कॉलोनी में में बनाने का निर्णय हुआ था। लेकिन विरोध और तकनीकी बाधाओं को देखते हुए यह प्लान अब रद्द हो गया है।

सेवासदन का शिविर

255 की जांच, 95 रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन होगा

हिरदाराम नगर। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने भोपाल उत्सव मेला समिति के सहयोग से गांधीनगर स्थित दुबई सिंधी महिला मंडल धर्मशाला में एक निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया। शिविर का उद्घाटन भोपाल उत्सव मेला समिति के पदाधिकारियों और सेवा सदन के ट्रस्टियों ने देवी-देवताओं के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

शिविर में कुल 255 मरीज़ों की आँखों की जाँच की गई, जिनमें 121 पुरुष और 134 महिलाएँ शामिल थीं। इनमें से 95 मरीज़ों में मोतियाबिंद पाया गया, जिन्हें तुरंत एंबुलेंस से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय लाकर भर्ती किया गया। इन सभी का मोतियाबिंद ऑपरेशन सोमवार (21 जुलाई) को किया जाएगा। जिन मरीज़ों में मोतियाबिंद नहीं था, उन्हें मुफ्त दवाइयाँ दी गईं और उनके ब्लड प्रेशर व मधुमेह की भी जाँच की गई।

आरोग्य केंद्रः अनुभव सत्र में कहा-10 दिन में परेशानियों से मिली राहत

97 साधकों ने पाया 'दर्द रहित जीवन'

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आरोग्य केंद्र में 'दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया, जिसके समापन से पहले अनुभव सत्र का आयोजन किया गया। शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से आए 97 साधकों ने भाग लिया।

शिविर के दौरान डिप्रेशन, डायबिटीज, हाइपरटेंशन, मोटापा, कब्ज, आर्थराइटिस, माइग्रेन, अस्थमा जैसी कई बीमारियों का प्राकृतिक तरीकों से उपचार किया। शिविर में नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएं, व्याख्यान सत्र, प्राकृतिक चिकित्सा और विशेष आहार जैसी गतिविधियाँ कराई गईं।

डॉ. रमेश टेवानी ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य ÷पूरे भारत को दवा रहित व दर्द रहित बनाना÷ है। उन्होंने निरोगी जीवन के लिए उपवास, पेट की सफाई और पर्याप्त नींद को महत्वपूर्ण बताया। अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए। सीहोर से संगीता सालवे और बिहार से रामचंद्र चौधरी को बी.पी. में आराम मिला। हैदराबाद की साधना शर्मा और दिल्ली की संध्या को सिर व पैरों के दर्द में राहत मिली। हरियाणा की मेघा का घुटनों का दर्द ठीक हुआ और 4 किलो वजन भी कम हुआ। कई साधकों ने दिनचर्या और जीवनशैली में आए सकारात्मक बदलावों को भी साझा किया। अंत में डॉ. लता टेवानी ने सभी साधकों का आभार व्यक्त किया। अगला शिविर 23 जुलाई से 27 जुलाई 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

मैट्रो एंकर भोपाल में यूबीई स्पाइन सर्जरी पर दो दिवसीय कार्यशाला

आधुनिक तकनीक पर देशभर से आए विशेषज्ञों ने जीएमसी में दिए टिप्स

भोपाल दोपहर मेट्रो

गांधी मेडिकल कॉलेज, ऑर्थोपेडिक्स विभाग में यूनिलेटरल बाइपोर्टल एंडोस्कोपिक (यूबीई) स्पाइन सर्जरी पर दो दिवसीय सीएमई एवं हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रदेश में इस तकनीक पर आयोजित होने वाली पहली कार्यशाला रही। जिसमें मध्यप्रदेश सहित देशभर से 100 से अधिक युवा और अनुभवी सर्जनों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में सर्जनों को यूबीई तकनीक के माध्यम से कम से कम चीरा लगाकर रीढ़ की सर्जरी करने का प्रशिक्षण दिया गया। इस तकनीक की विशेषता है कम रक्तस्राव, कम जटिलताएं, रोगी का जल्दी स्वस्थ होना और शीघ्र अस्पताल से छुट्टी मिलना। कार्यशाला में प्रशिक्षण देने के लिए देश के प्रसिद्ध स्पाइन सर्जन भोपाल पहुंचे। इनमें डॉ. मैल्कम पेस्टोंजी (मुंबई), डॉ. अश्विन कुमार खंडगे (पुणे), डॉ. अंकुर गुप्ता (जयपुर), डॉ. स्वप्निल हजारे (नागपुर), डॉ. वी. सेल्विन प्रभाकर (चेन्नई) और डॉ. एडम तेजा (जबलपुर) शामिल रहे।

इन विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को एंडोस्कोपिक सर्जरी की बारीकियों और तकनीकी पहलुओं की लाइव डेमो व थ्योरी से जानकारी दी। गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता एन. सिंह ने बताया कि जीएमसी भोपाल प्रदेश का पहला सरकारी संस्थान है। जहां पर यह आधुनिक तकनीक अपनाई गई है। इससे प्रदेश के मरीजों को अब अत्याधुनिक रीढ़ की हड्डी के उपचार की सुविधा सुलभ होगी।

मेडिकल सुप्रींटेंडेंट डॉ. सुनीत टंडन ने कहा कि प्रतिभागियों का उत्साह देखने लायक था। यह कार्यशाला सफल रही और अगले साल इसे और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। ऑर्थोपेडिक्स विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष गोहिया ने बताया कि जीएमसी का रीजनल स्पाइन इंजरी सेंटर लगातार उन्नत सर्जिकल तकनीकों को अपनाते हुए मरीजों की सेवा कर रहा है।

एंडोस्कोपी तकनीक के जुड़ने से यह केंद्र अब और प्रभावी रूप से कार्य कर सकेगा। वरिष्ठ स्पाइन सर्जन और सह-संयोजक डॉ. राहुल वर्मा ने कहा, युवा सर्जनों को इस क्षेत्र में प्रशिक्षित करना समय की मांग है। इससे न केवल इलाज की गुणवत्ता बढ़ेगी बल्कि रोगियों को भी कम दर्द और जल्दी रिकवरी का लाभ मिलेगा।

आध्यात्मिक आगमनः प्रवास पर आ रहे हैं साईं मनीष लाल

संतनगर। भगवान झूलेलाल पूज्य चालीहा साहब के निमित्त, भगवान झूलेलाल जी के 26वें वंशज और भरूच स्थित

झूलेलाल वरुण देव मंदिर के वर्तमान गादीश्वर, परम पूज्य 1008 सूर्यवंशी ठकुर साईं मनीष लाल साहब जी भोपाल के चार दिवसीय प्रवास पर आ रहे हैं। वे भगवान झूलेलाल चालीसा महोत्सव के तहत आयोजित विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भरत कुमार असवानी ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। असवानी ने बताया कि 22 को बहराणा साहब का विशेष कार्यक्रम झूलेलाल चालिया वारा मंदिर, मेन रोड में झूलेलाल कल्याण मंडलम द्वारा आयोजित होगा। 23 जुलाई को झूलेलाल मंदिर, विदिशा में पूज्य सिंधी पंचायत, विदिशा की ओर से बहिराणां साहब और स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 24 जुलाई को भगवान झूलेलाल चालिया साहिब मंदिर में भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें ठकुर साईं मनीष लाल साहब जी की उपस्थिति होगी। 25 जुलाई को झूलेलाल मंदिर, बावड़िया कला, भोपाल में पूज्य सिंधी पंचायत, बावड़िया कला द्वारा एक विशेष धार्मिक आयोजन होगा, जिसके तहत पूज्य बहिराणां साहब की पूजा और भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

सीएम डॉ. यादव की दुबई व स्पेन यात्रा के बेहतर नतीजे

11 हजार करोड़ रुपए के निवेश का रास्ता साफ, भोपाल से दुबई फ्लाइट शुरू होगी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की दो देशों की विदेश यात्रा के बाद अब मध्यप्रदेश में दुबई और स्पेन की कंपनियां 11 हजार करोड़ का निवेश करेंगी। सीएम यादव ने यात्रा से लौटने के बाद भोपाल में कहा कि अब भोपाल से दुबई के लिए अमीरात एयरलाइंस ने सीधी उड़ान शुरू करने की इच्छा जताई है। राज्य सरकार की एविएशन नीति के तहत प्रति उड़ान 15 लाख रुपए तक की सहायता का प्रावधान है। इसके अलावा कई अन्य प्रोजेक्ट भी शुरू होंगे।

इससे पहले लौटने पर सीएम यादव का स्टेट हैंगर पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। हालांकि सीएम दिल्ली लौटने के बाद पहले सीधे रीवा गये थे,जहां उनके ससुर का पिछले दिनों निधन के बाद अंतिम संस्कार किया गया था। वहां परिजनों से मिलकर लौटे यादव ने अपनी यात्रा को लेकर भोपाल में मीडिया से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्पेन के फिल्म डायरेक्टरों ने मध्यप्रदेश में फिल्मों की शूटिंग करने में रुचि जताई है। सीएम ने बताया कि इस दौरे में कुल 22 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से बातचीत हुई। जिनके साथ 11 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव हुए हैं। इसके अलावा दुबई में ही 5,701 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। दुबई में 22 अरब देशों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा हुई। यहां पर्यटन, उद्योग और निवेश पर गहन विचार-विमर्श हुआ। स्पिरिचुअल टूरिज्म को लेकर भी कई देशों ने रुचि दिखाई। सीएम ने दुबई स्थित इस्कॉन मंदिर का दौरा भी किया, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

'स्पेन की संस्कृति भारत से काफी मिलती-जुलती'

सीएम ने स्पेन यात्रा को लेकर बताया कि स्पेन की संस्कृति भारत से काफी मिलती-जुलती है। भारत की अर्थव्यवस्था में स्पेन छठवां सबसे बड़ा भागीदार है। एमपी के उद्योगपतियों और स्पेन के उद्योगपतियों के बीच संवाद कराया गया। कपास उत्पादक किसानों को ट्रेनिंग देने के लिए भी योजना बनाई गई है। सीएम यादव ने बताया कि दुबई में आयोजित 'फ्रेंड्स ऑफ एमपी' कार्यक्रम में 500 से ज्यादा प्रवासी भारतीय शामिल हुए। भारी उत्साह को देखते हुए रजिस्ट्रेशन बंद करना पड़ा। दुबई में करीब 42 लाख भारतीय रहते हैं। इसी दौरान दुबई में रह रहे इंदौरी समुदाय से भी मुलाकात की गई।

हमारी एविएशन पॉलिसी देश में सबसे ज्यादा आकर्षक

अमीरात एयरलाइंस ने तो यहां तक कहा कि अमीरात और भोपाल की उड़ान को तुरंत चालू कर दें। एविएशन विभाग अगर अनुमति दे तो हम तुरंत अपना विमान मध्यप्रदेश से जोड़ना चाहेंगे। एयर इंडिया और इंडिगो ने भी फ्लाइट का आश्वासन दिया है। हमारी एविएशन पॉलिसी देश में सबसे ज्यादा आकर्षक है। अगर अंतरराष्ट्रीय उड़ान मध्यप्रदेश में उड़ान भरेगी मध्यप्रदेश सरकार एक ट्रिप में 15 लाख से उसकी मदद करेगी। यह अपने आप में आकर्षक है। हमारी एयर एंबुलेंस की योजना भी सभी को आकर्षक लगी। हर शख्स ने प्रदेश में निवेश करने में रुचि दिखाई। हम 16 जुलाई को स्पेन गए। स्पेन भारत से मिलता-जुलता देश है। वहां विरासत से विकास दिखाई देता है।

कर्मचारी चयन मंडल का मामला

आधा साल बीता, अब तक भर्ती परीक्षा को लेकर असमंजस

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा 2025 में होने वाली परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करने के बावजूद इसका पालन नहीं किया जा रहा है। मंडल इसके लिये विभागों को पद तय करने में देरी को वजह मान रहा है। अब कृषि स्नातक में प्रवेश के लिए आयोजित किए जाने वाले प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट (पीएटी)-2025 मई में प्रस्तावित था, लेकिन अब 26 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

बताया जाता है कि इस साल 15 भर्ती और पांच प्रवेश परीक्षाएं आयोजित किए जाने का कैलेंडर जारी किया गया था। इनमें से अब तक छह भर्ती परीक्षाएं ही आयोजित की जा सकी हैं, जो करीब एक या दो माह की देरी से हुईं। वहीं जुलाई से दिसंबर तक आठ प्रवेश परीक्षाओं के लिए अभी तक आवेदन ही नहीं लिए गए हैं। अब अगले साल 2026 में जनवरी से मई तक सात परीक्षाएं होंगी। अभ्यर्थियों का कहना है कि कई भर्ती परीक्षाएं समय से आयोजित नहीं की जा रही हैं, जिससे उम्र की समय-सीमा भी निकल रही है। इस साल के कैलेंडर के हिसाब से आठ परीक्षाएं होने वाली हैं। इसके अलावा मंडल नियमावली और सिलेबस भी आवेदन के साथ जारी करता है, जिससे अभ्यर्थियों को तैयारी का समय नहीं मिल पाता है। अभ्यर्थियों का कहना है कि अगर पहले से सिलेबस अपलोड कर दिए जाएं तो परीक्षा की तैयारी करने में आसानी हो जाएगी। इस साल विभिन्न विभागों में करीब 25,472 पदों पर भर्ती प्रक्रिया की जा रही है।

प्राथमिक शिक्षक चयन का सिलेबस बदला

सरकारी स्कूलों के कुल 13089 पदों पर भर्ती के लिए प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। एक अगस्त तक आवेदन होंगे। 31 अगस्त से परीक्षाएं होने वाली हैं। परीक्षा में करीब डेढ़ माह का समय शेष है, लेकिन सिलेबस बदलने से परेशानी बढ़ गई है। इसमें बाल मनोविज्ञान, पर्यावरण और संस्कृत को हटाया गया है। साथ ही अंग्रेजी को वैकल्पिक के बदले अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा विज्ञान व सामाजिक विज्ञान के विषय को जोड़ा गया है। ऐसे में अभ्यर्थियों का कहना है कि नए सिलेबस के साथ परीक्षा की तैयारी करना संभव नहीं है। इसके लिए कम से कम दो से तीन माह का समय चाहिए।

दुग्ध संघ ने तीन महीने में 80 हजार लीटर उत्पादन बढ़ाया

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पिछले तीन महीने में दुग्ध संघ में 628 नई सहकारी समितियां बनाई गई हैं। इनके जरिए 16,हजार नए दुग्ध उत्पादक किसान दूध सप्लाई करने लगे हैं तथा अब रोजाना 7.80 लाख लीटर दूध दुग्ध संघ में पहुंच रहा है। वहीं दुग्ध उत्पादकों को त्वरित भुगतान के लिये भोपाल में लागू सिस्टम जल्दी ही ग्वालियर व जबलपुर में लागू करने की भी तैयारी है। उल्लेखनीय है कि दुग्ध संघ अब नये रूप व स्वरूप में काम कर रहा है। एमपी स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के एमडी डॉ. संजय गोवानी के मुताबिक नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा 13 अप्रैल को दुग्ध संघ की जिम्मेदारी संभाली गई थी। तब से अब तक सिर्फ तीन महीने में दूध कलेक्शन और दूध की बिक्री में 80,000 लीटर का इजाफा हुआ है। इसकी वजह यह है कि ईआरपी सिस्टम के जरिए दुग्ध उत्पादक किसानों को अब तय समय पर भुगतान किया जा रहा है। भोपाल में यह सिस्टम 1 जुलाई से लागू हो चुका है। अगले दो महीने में ग्वालियर और जबलपुर में भी यह सिस्टम शुरू कर दिया जाएगा। भोपाल में दूर-दराज के इलाकों की नई कॉलोनियों में भी दूध सप्लाई होने लगा है। मार्केटिंग के लिए एनडीडीबी ने एक नई टीम हायर की है।

आठ नई सिंचाई परियोजनाओं पर तेजी से काम का रास्ता साफ

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं पर अब तेजी के साथ काम शुरू होने के आसार हैं। मप्र के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट की हाल में नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात के बाद यह आसार बने हैं। इस मुलाकात में आठ सिंचाई परियोजनाओं की वन एवं पर्यावरण स्वीकृति के लिए पत्र दिया। इस पर यादव ने तत्काल सहमति देते हुए अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। जानकारी के मुताबिक मां रतनगढ़ बहुउद्देशीय परियोजना डबरा (दतिया), लोअर ओर वृहत परियोजना (अशोक नगर एवं शिवपुरी), चेंटीखेड़ी परियोजना और मुंझिरी वृहत परियोजना (श्योपुर), कोपरा मध्यम सिंचाई परियोजना (सागर), छिंदवाड़ा कंपलेक्स बैलेंसिंग जलाशय (छिंदवाड़ा), सोनखेड़ी लघु सिंचाई परियोजना (बड़वानी) और दाममखेड़ा लघु सिंचाई योजना (खरगोन) तैयार की गई हैं। इनके लिए केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से वन एवं पर्यावरण संबंधी सहमति आवश्यक थी, जिस पर सहमति दी गई है।

मप्र के शासकीय भवनों की छतों पर बिना निवेश के लगेंगे सोलर रूफटॉप संयंत्र

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगा वॉट नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मध्यप्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित कर रहे है। इसी क्रम में ÷प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' में प्रदेश के सभी शासकीय भवनों को दिसम्बर-2025 तक सौर ऊर्जीकृत किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये ऋश्वस्थ्ह द्वारा सभी जिलों में पृथक-पृथक निविदाएँ जारी कर दर आमंत्रित की गयी है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया है कि ÷प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' में प्रदेश में राज्य शासन के भवनों की छतों पर रेस्को पद्धति अंतर्गत सोलर रूफ़टॉप संयंत्र लगाने हैं। शासकीय विभागों को इन सौर परियोजनाओं में कोई निवेश नहीं करना होगा। शासकीय कार्यालयों द्वारा ऊर्जा के उपयोग के लिए ऋश्वस्थ्ह विकासक को प्रति यूनिट भुगतान करना होगा। रेस्को द्वारा लगाये गये संयंत्र की प्रति यूनिट दर विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा निर्धारित व्यवसायिक दर से काफी कम होगी। इस प्रकार शासकीय कार्यालय ÷शून्य निवेश, पहले दिन से बचत, नेट जीरो'' के सिद्धांत पर कार्य कर सकेंगे।

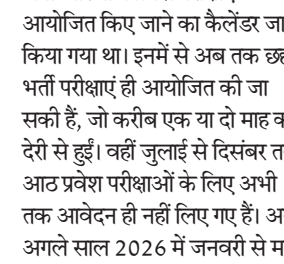

आंदोलन में जुटे अनियमित कर्मचारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के आवाहन पर अंबेडकर जयंती मैदान तुलसी नगर में प्रदेश के हजारों अनियमित कर्मचारी एकत्रित होकर अपनी 11 सूत्रीय मांगो समर्थन में धरना दिया तथा मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा ।धरने को अशोक पांडे सुनील पाठक प्रमोद बर्डे महेंद्र सारस श्याम बिहारी सिंह भागीरथ विश्वकर्मा सत्येंद्र पांडे संजय हरियाले ने संबोधित किया मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि प्रदेश के स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी अंशकालीन कर्मचारी सुरक्षा श्रमिक दैनिक वेतन वाहन चालक वनसमिति चौकीदार आदि अनियमित संवर्ग के कर्मचारी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर लंबे समय से चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं लेकिन सरकार मांगों को संज्ञान में लेकर अनियमित कर्मचारियो के हित में निर्णय नहीं ले रही है। प्रमुख मांग दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को 11 माह का एरियार व नियमित किया जाए, स्थाई कर्मियों को चतुर्थ श्रेणी के पद पर नियमित किया जाए। सातवां वेतनमान दिया जाए सुरक्षा श्रमिकों को कुशल श्रमिक बनाया जाए पीएफ का लाभ आदि हैं।

मेट्रो एंकर काउंसलिंग में 17 सरकारी और 13 निजी मेडिकल कॉलेज रहेंगे, संख्या बढ़ने की उम्मीद

नीट यूजी स्टेट लेवल काउंसलिंग का पहला चरण शुरू

भोपाल, दोहपर मेट्रो

नीट यूजी स्टेट लेवल काउंसलिंग का पहला चरण आज 21 जुलाई से 16 अगस्त तक चलेगा। इसको लेकर चिकित्सा शिक्षा संचालनालय मप्र ने कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस बार किसी नए कॉलेज के आने की उम्मीद कम है। अभी तक संचालनालय स्तर पर किसी प्रकार की कोई सूचना नहीं है कि मप्र में कोई नया मेडिकल कॉलेज काउंसलिंग में शामिल हो रहा है। इसलिए कॉलेज और सीट बढ़ने की उम्मीद कम है। पिछली बार की तरह इस बार भी नीट यूजी काउंसलिंग में 17 सरकारी और 13 निजी मेडिकल कॉलेज रहेंगे। शासन के आदेश के मुताबिक पात्र छात्रों को जिला शिक्षा अधिकारी,

जिला संयोजक या सहायक आयुक्त की ओर से जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। इसमें बताया जाएगा कि छात्र या छात्रा निर्धारित अर्हता को पूरा करता है और इस योजना के तहत आरक्षण का अधिकार रखता है।

6 अगस्त को सीटों का होगा अलॉटमेंट

चिकित्सा शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक 21 जुलाई से रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे जो 29 जुलाई तक चलेंगे। इसके बाद 28 जुलाई को सीटों की संख्या जारी की जाएगी। 29 जुलाई को दावे और आपत्ति बुलाए जाएंगे। 30 जुलाई को आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। 30 जुलाई को ही रजिस्टर्ड अभ्यर्थियों की स्टेट मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। 31 जुलाई से चार अगस्त तक छात्र च्वाइस फिलिंग और सीट लॉकिंग कर सकेंगे। 6 अगस्त को सीटों का अलॉटमेंट किया जाएगा। चयनित छात्रों को 7 से 11 अगस्त तक आवंटित कॉलेजों में प्रवेश लेना होगा।

संपादकीय

समस्या का बड़ा रूप

देश के छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक कुत्तों के काटने से लोगों के जख्मी होने और जान जाने की घटनाएं पहले की अपेक्षा बढ़ गई हैं तो इसके कई कारण भी हैं। लोगों की लापरवाही या ज्यादा पशुप्रेमी दिखाने की प्रवृति भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। आमतौर पर कुत्ते इंसानों के साथ हिंसक नहीं होते बल्कि वे बहुत वफादार व प्यारे होते हैं। इसके उदाहरण कई शहरों में सार्वजनिक स्थानों पर देखे जा सकते हैं, जहां बरसों तक आवारा कुत्ते किसी घर या दुकान के सामने शांत बैठे नजर आते हैं। मगर, बढ़ते शहरीकरण के साथ जिस तरह से उनके सुरक्षित पर्यावास और भोजन का संकट पैदा हुआ, उनकी प्रवृत्ति कई स्थानों पर हिंसक होती जा रही है। नतीजा यह कि अब आवारा कुत्तों को गली और सड़क पर भोजन देने पर आपत्तियां उठ रही हैं। इसे पसंद और नापसंद करने वालों के बीच टकराव अदालतों तक जा पहुंचा है। वैसे, विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, दुनिया में कुत्तों के काटने से होने वाली बीमारी रेबीज से मौत के छत्तीस फीसद मामले भारत में ही सामने आते हैं। घायलों का ठीक से उपचार न होना भी बड़ी समस्या है। फिलहाल, सड़कों पर घूमते कुत्तों को खाना देने और न देने पर एक विवाद शीर्ष अदालत में है। खाना देने पर परेशान किए जाने का आरोप लगाने वाले याचिकाकर्ता से अदालत ने पूछा है कि आप गली-मुहल्ले के प्रत्येक कुत्ते को घर पर ही खाना क्यों नहीं देते। निस्संदेह यह सवाल बहुत वाजिब है, क्योंकि सड़कों के किनारे या गलियों में खाना देते समय कई कुत्ते एक जगह जमा हो जाते हैं। यही कुत्ते आते जाते लोगों के लिए बड़ा खतरा बन जाते हैं और बच्चों या दोपहिया सवार लोगों की मुसीबत भी बनते हैं लोग गिरते हैं घायल होते हैं। पशु जन्म नियमावली इस मामले में काफी गौरतलब है। इसमें पशुओं को भोजन देने की बात रेखांकित तो है, लेकिन इसका दायित्व स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों और क्षेत्र के निवासियों के संगठन पर डालता है। मगर, आज लोग कहीं पर भी पशुओं विशेषकर कुत्तों को खाना खिलाते दिख जाते हैं। मना करने पर झगड़ा और मारपीट की घटनाएं बहुत आम हैं। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए शीर्ष अदालत को यह कहना पड़ा कि क्या हर गली और सड़क कुत्तों को खाना खिलाने वाले बड़े दिल वालों के लिए छोड़ देनी चाहिए? इसमें दोराय नहीं कि आम आदमी की चिंता सर्वोपरि है। आवारा कुत्तों की देखभाल होनी चाहिए, लेकिन लोगों की सुरक्षा भी जरूरी है। इसलिए अपनी जेबों में बिस्किट या ब्रेड रखकर पैदल या गाड़ियों में घूमने वाले पशु प्रेमियों को आम नागरिकों की चिंता के प्रति अपनी संवेदनशीलता भी दिखानी चाहिए। बेहतर तो यह है कि लोग आवारा कुत्तों को स्वीकार करें यानि उन्हें अपने घर पर रखकर पालें। इससे काफी हद तक समस्या हल हो जाएगी। वैसे स्थानीय निकाय आवारा पशुओं को पकडते भी हैं लेकिन उनकी समस्या भी यह है कि उन्हें कब तक रखा जाए। लिहाजा आवारा कुत्तों को पकड़ने के बाद उनकी नसबंदी करके छोड़ दिया जाता है। कुल मिलाकर यह मामला कई तरह की सोच और पुण्य करने वाले भाव से जुड़ा हुआ है, मगर यह भी सच है कि यदि इस तरह सड़कों पर खाना आदि देने वाले पुण्य से अन्य लोगों को खतरा या किसी तरह की मुसीबत होती है तो उस पुण्य का प्रताप कितना मिल पाता होगा !

लड़ाई के पहले दो आदमी घमण्ड करते हैं और बाद में केवल एक ।

- अज्ञात

आज का इतिहास

- 1883 - कोलकाता में भारत के पहले सार्वजनिक थियेटर की शुरुआत।
- 1884 - लॉर्डस के मैदान पर पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेला गया।
- 1888 - ब्रिटेन के आविष्कारक डनलप ने टायर और ट्यूब तैयार किए, जिससे परिवहन के साधनों की गति बढ़ी।
- 1904 - 13 साल तक चले निर्माण कार्य के बाद रूस में 4607 किलोमीटर लंबी ट्रांस साइबेरियन रेल लाइन का काम पूरा।
- 1940 - सोवियत संघ ने एस्टोनिया लातविया और लिथुआनिया पर कब्जा किया।
- 1960 - श्रीलंका (तब सीलोन) में सिरिमावो भंडारनायके विश्व की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।
- 1962 - भारत चीन के बीच सीमा पर युद्ध।
- 1963 - काशी विद्यापीठ को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया।
- 1969 - अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग एवं एडविन एल्ड्रिन चन्द्रमा पर उतरे।
- 2004 - संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने भारी बहुमत से पश्चिमी किनारे के फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों से इस्त्रायल को बाढ़ हटाने का प्रस्ताव पारित किया।
- 2007 - वांशिगटन में चार दिनों तक चले विचार-विमर्श के बाद भारत-अमेरिका परमाणु समझौते का प्रारूप तैयार किया गया।
- 2007 - प्रतिभा पाटिल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं।
- 2008 - नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भारतीय मूल के रामबरन यादव को नेपाल का पहला राष्ट्रपति चुना गया।
- 1890 - जयरामदास दौलतराम - भारत के स्वतंत्रता सेनानी एवं राजनेता थे का जन्म दिवस।
- 1899 - अर्नेस्ट हेमिंग्वे - अमेरिकी उपन्यासकार, लघु कहानी लेखक और पत्रकार थे का जन्म दिन।
- 1910 - विगगो कैंपमैन - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ थे जो डेनमार्क के सामाजिक डेमोक्रेट्स के नेता का जन्म।

निशाना

भूत- बूथ पे आई !

-कृष्णेन्द्र राय

बढ़ते बढ़ते बात अब ।
भूत-बूथ पे आई ।।
ना रहना है पीछे ।
शब्दों की लड़ाई ।।
हर क्षण है प्रहार ।
जो सबका अधिकार ।।
कम बोलने से आखिर ।
ठप होता व्यापार ।।
खेल अब चुनावी ।
खूब चलने वाला ।।
कुछ कर है गुजरना ।
इसी का हवाला ।।
फिट करने को गोटी ।
जाल है बिछाया ।।
सब चाहें प्रतिद्वंदी का ।
हो अब जल्द सफाया ।।

युद्ध मैदान की तरह मीडिया के मैदान में भी खतरों का सामना जरूरी

■ आलोक मेहता

पुरानी फिल्म 'मुगल-ए-आजम' का प्रसिद्ध गीत है- 'प्यार किया तो डरना क्या ।' इसलिए समाज में यही कहा जाता है कि मुहब्बत हो या जंग का मैदान, भय की कोई गुंजाइश नहीं है । यही बात मेडिकल प्रोफेशन के डॉक्टर हों या मीडिया के पत्रकार, किसी भी सही ऑपरेशन या सही समाचारों और विचारों के लिए डरकर काम नहीं कर सकते । सेना का सिपाही कारगिल की ऊंचाई हो या राजस्थान का रेगिस्तान, जब अपना कर्तव्य निभाता है तो खुद की सुरक्षा के लिए किसी इंतजाम की मांग नहीं करता है । मेरी राय में मीडिया से जुड़े व्यक्तियों के लिए भी भयमुक्त रहने और खतरा मोल लेने की स्थिति आदर्श होती है । हाल ही में कुछ राज्यों में मीडिया से जुड़े कुछ पत्रकारों, कार्टूनिस्ट अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आधार पर सक्रिय स्वतंत्र लेखकों या आंदोलनकारियों पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई को लेकर विवाद उठ रहे हैं । इसके लिए प्रादेशिक अथवा केंद्र की सरकार के प्रमुख नेताओं पर आरोप लगाए जा रहे हैं । विदेश में बैठे कुछ संगठन इस मुद्दे पर अतिरंजित रिपोर्ट जारी करते रहते हैं । ऐसा वातावरण बनाया जा रहा है जैसे भारत में इस तरह के दबाव पहली बार हो रहे हैं । जबकि सच्चाई यह है कि पिछले दशकों में भी प्रिन्ट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर कानूनी कार्रवाई के अलावा राजनीतिक संगठनों और नेताओं द्वारा आतंकित करने के प्रयास किए जाते रहे हैं । भारतीय प्रेस परिषद, एडिटर्स गिल्ड, पत्रकारों की यूनियन और अदालतों के रिकार्ड में ऐसे अनेक मामले देखे-पढ़े जा सकते हैं ।

इसमें कोई शक नहीं कि पहले या अब पत्रकारों पर दबाव बनाना या अनुचित ढंग से उन पर कानूनी प्रकरण दर्ज करना या मीडिया संस्थानों पर हमला न केवल निंदनीय है, ऐसे तत्वों पर अंकुश भी आवश्यक है । दूसरी तरफ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग सुप्रीम कोर्ट तक अनुचित मानती है । हाल में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ मामलों में पुलिस की कार्रवाई को गलत भी ठहराया । इसलिए यह धारणा गलत है कि देश में असहमतियों, आलोचनाओं और प्रामाणिक तथ्यों के आधार पर काम नहीं किया जा सकता है ।

इस संदर्भ में पत्रकारिता के अपने कुछ अनुभवों का उल्लेख करना उचित लगता है । इन दिनों बिहार में मीडिया को डराने के प्रयास की बड़ी चर्चा है । कुछ ऐसा संयोग रहा है कि मैं स्वयं 1988 से 1991 तक बिहार में नवभारत टाइम्स जैसे प्रतिष्ठित अखबार में स्थानीय संपादक रहा और बाद में भी अन्य राष्ट्रीय दैनिकों तथा साप्ताहिक पत्र-पत्रिकाओं में संपादक रहा, जिनकी प्रसार संख्या बिहार में अच्छी-खासी रही है । बिहार में रहते हुए तीन वर्षों के दौरान कांग्रेस के तीन मुख्यमंत्रियों और फिर जनता दल (बाद में राष्ट्रीय जनता दल) के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में मीडिया पर दबाव और हमलों की घटनाओं का साक्षी ही नहीं भुक्तभोगी भी रहा हूँ । उस समय झारखंड बिहार का ही हिस्सा था और धनबाद में हमारे एक संवाददाता अशोक वर्मा को सही खबरें लिखने के लिए पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्वक पीटे जाने की घटना हुई । यह मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चित हुआ और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के वरिष्ठ संपादकों की एक टीम ने आकर पूरी स्थिति पर एक रिपोर्ट भी जारी की । वहीं उस संवाददाता या अखबार ने प्रदेश या केंद्र की सरकार को दोषी नहीं ठहराया । अपेक्षा यह की गई कि सरकार और अदालत स्वयं दोषी अधिकारी पर कार्रवाई करें । कांग्रेस राज में ही आरा, बक्सर के एक अच्छे संवाददाता रामेश्वर उपाध्याय को हटाने के लिए एक कांग्रेसी विधायक ने ही मुझे फोन किया । मेरा उनसे कोई परिचय भी नहीं था । मेरा उत्तर यही था कि तथ्यों पर आधारित खबरें लिखने वाले किसी रिपोर्टर को उनके या किसी के दबाव से नहीं हटाया जा सकता । वह संवाददाता

अपना काम करता रहा । कुछ सप्ताह बाद पता चला कि विधायक महोदय ने अपने इलाके के एक थाने में यह रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके गाँव के घर में डकैती की घटना हुई और डकैती की योजना इस अखबार के संपादक आलोक मेहता ने बनाई थी । यही नहीं उस विधायक ने विधानसभा में भी इसी तरह का बेबुनियाद हास्यास्पद आरोप लगाया । हमारे अखबार से निकाले गए एक व्यक्ति ने अपने पर्चेनुमा अखबार में इस आरोप को छाप दिया । लेकिन हमने इस मामले में कोई हंगामा नहीं किया । पुलिस में एफआईआर भले ही दर्ज हुई लेकिन किसी तरह की कार्रवाई पुलिस नहीं कर पाई । उस संवाददाता के साथ हम अपना काम पहले की तरह करते रहे और उस विधायक या क्षेत्र की गड़बड़ी की खबरें छपती रहीं ।

इसी तरह कांग्रेस के एक प्रमुख नेता और सहकारी संगठन के प्रमुख तपेश्वर सिंह की आर्थिक अनियमितताओं पर प्रामाणिक दस्तावेजों के साथ एक रिपोर्ट हमने लिखी । अगले दिन उनके परिवार के एक सदस्य देर शाम अखबार के दफ्तर पहुंचे । जब उन्हें पता चला कि संपादक दफ्तर में नहीं हैं तो उन्होंने हमारा पता पूछा । हमारे एक सहयोगी ने फोन पर हमें बताया कि तपेश्वर सिंह की खबर को लेकर एक सज्जन बहुत उत्तेजित हैं और घर का पता पूछ रहे हैं और सहयोगी ने यह आशंका भी व्यक्त की कि इस व्यक्ति की जेब में रिवाल्वर भी रखा हुआ है । मैंने अपने साथी से कहा कि आप उन्हें पता बता दीजिए क्योंकि आप नहीं बताएंगे तो भी वह पता लगा ही सकते हैं । वह व्यक्ति थोड़ी देर में ही मेरे फ्लैट पर पहुंचे । रात में खाने का वक्त था इसलिए मैंने उनसे पूछा कि क्या आप खाना खाएंगे । लेकिन वह बहुत गुस्से में थे और अखबार में तपेश्वर सिंह के संबंध में सभी खबरों पर आपत्ति जता रहे थे, साथ ही नतीजा भुगतने को तैयार रहने की धमकी भी दे रहे थे । मैंने उत्तेजित हुए बिना उनसे इतना ही कहा कि तथ्य और प्रमाण की फोटोकॉपी भी अखबार में छपी है । यदि तथ्य गलत हैं तो आप उसका खंडन भेज सकते हैं या कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं । बहरहाल, जब उन्हें समझ में आ गया कि हमारा कोई निजी या राजनीतिक पूर्वाग्रह नहीं है और खबर के प्रमाण हमारे पास हैं तब वे चले गए । इसके बाद भी समय-समय पर नेता और उनके संगठन के गड़बड़ियों की खबरें और संपादकीय छपते रहे ।

1990 में लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री हुए और कुछ समय बाद एक ईमानदार अधिकारी पशुपालन विभाग में गरीबों को पशु बांटने के नाम पर करोड़ों के घोटाले से जुड़ी लगभग एक फाइल ही हमारे पास ले आए । उसमें मुख्यमंत्री लालू यादव के दस्तखत वाले दस्तावेज भी थे । मैंने स्वयं उस दस्तावेज सहित विस्तृत खबर छाप दी । अगले दिन उसके फॉलोअप में भी सहयोगियों ने खबर लिखी । नतीजा यह हुआ कि तीसरे दिन मुख्यमंत्री लालू यादव और उनकी पार्टी के समर्थकों ने संपादकीय कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन आदि किए और चार-पाँच किलोमीटर दूर संस्थान की प्रिंटिंग यूनिट पर हमला किया तथा आग लगाने की कोशिश भी की । दिन का समय था और बहुत अधिक नुकसान तो नहीं हुआ लेकिन यह हमला पटना से लेकर दिल्ली तक चर्चा में आ गया । हमने इस हमले पर कोई बड़ी रिपोर्ट नहीं छापी, एक संपादकीय अवश्य लिखा । लालू यादव अपने एक-दो वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दफ्तर आए और यह बताने की कोशिश की कि इस हमले में उनकी कोई भूमिका नहीं रही है । हमने उत्तेजित हुए बिना यही कहा कि आपका प्रशासन जानता है कि हमला किन लोगों ने किया । प्रमाण होने के कारण मुख्यमंत्री कोई कार्रवाई तो नहीं कर सकते थे । इसके बाद भी अखबार में इस घोटाले से संबंधित खबरें छपती रहीं । वह मुख्यमंत्री पद पर बने रहे और चर्चित चारा घोटाले में उनको और काई अन्य साथियों को जेल भुगतना पड़ी ।

इस तरह के अनेक मामले बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और हरियाणा जैसे विभिन्न राज्यों में आते रहे हैं । उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित हल्लाबोल आंदोलन मीडिया के विरुद्ध ही था । प्रदेश में समाजवादी पार्टी के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का शासन था । उनके समर्थकों ने अखबारों के विरुद्ध हमलों में अखबार बांटने वाले हाकर्स तक को नहीं छोड़ा । तब एडिटर्स गिल्ड ने भी इस घटना की जांच के लिए तीन संपादकों की टीम भेजी । इस टीम में इंदर मल्होत्रा, अजीत भट्टाचार्जी जैसे वरिष्ठ संपादकों के साथ मैं भी शामिल था । सभी पक्षों से प्रमाण लेने, गवाहों को सुनने के बाद टीम ने मुख्यमंत्री का पक्ष भी सुना । मुख्यमंत्री ने कुछ खबरें पूरी तरह गलत और भड़काने वाली तथा एक प्रकाशन संस्थान द्वारा सरकार से लाभ लेने यानी अप्रत्यक्ष रूप से ब्लैकमेल करने संबंधी पत्र व्यवहार की प्रतियां भी सौंप दी । इसलिए गिल्ड की रिपोर्ट में हमले की तीखी आलोचनाओं के साथ ब्लैकमेल संबंधी तथ्य भी प्रस्तुत किए । पत्रकारिता का यही मानदंड है कि राजनैतिक पूर्वाग्रह और निजी स्वार्थ से हटकर प्रमाणों और तथ्यों पर काम किया जाए । इसके बाद कानूनी संरक्षण तो मिल ही जाता है । लेकिन यह सच है कि मीडिया को हर युग में चुनौतियों और खतरों का सामना करना ही पड़ता है ।

कांवड़ यात्रा : भक्ति की परंपरा में सांस्कृतिक घुसपैठ की चुनौती

■ प्रेम शुक्ल

भारत एक ऐसा देश है जहां आस्था, संस्कृति और सनातन परम्पराएं जीवन की धड़कन हैं। कांवड़ यात्रा, सावन मास में भगवान शिव के प्रति समर्पण की एक महान परंपरा, केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सनातन भारतीय चेतना की जीवंत अभिव्यक्ति है।किंतु विगत कुछ वर्षों में इस पवित्र यात्रा को जिस प्रकार से निशाना बनाया गया है, उससे यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ है कि क्या हमारी धार्मिक पहचान और सांस्कृतिक विरासत एक सुनियोजित मानसिकता के निशाने पर है? कई घटनाएं सामने आई हैं जहां तथाकथित कांवड़ियों की पहचान के पीछे जिहादी मानसिकता वाले तत्व छिपे पाए गए हैं।

हाल के वर्षों में देखने में आया है कि कुछ तथाकथित ढाबा और भोजनालय, जो हिंदू नामों या प्रतीकों का दुरुपयोग करते हुए शिव ढाबा, राम रसोई, वैष्णवी भोजनालय जैसे नामों से चलते हैं, असल में वहां न तो स्वच्छता है, न ही सात्विकता और कई बार उसके पीछे न तो कोई श्रद्धा है, न नीयत। यह केवल व्यापारिक छल नहीं, एक सांस्कृतिक हमला है जहां लोगों की आस्था और विश्वास को फर्जी नामों के माध्यम से निशाना बनाया जाता है। कांवड़ यात्रा का उल्लेख पुराणों से लेकर आधुनिक समाज तक में मिलता है। यह यात्रा श्रावण मास में की जाती है, जब गंगा के पवित्र जल को कांवड़ में भरकर शिवालयों में चढ़ाया जाता है। इसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव ने समुद्र मंथन के दौरान निकले हलाहल विष को अपने कंठ में धारण किया था, जिससे उनका ताप बढ़ा, तब गंगाजल से उनका अभिषेक कर उन्हें शांत किया गया था। इस यात्रा में आस्था का जोश, अनुशासन, समर्पण और आध्यात्मिक एकता देखने को मिलती है, यह भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतिबिंब है।

कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की वह अविचल धारा है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी प्रवाहित होती आई है। यह यात्रा हमें धर्म, तप, संयम, सहनशीलता और सामूहिक आस्था का संदेश देती है। लेकिन अब यह यात्रा सिर्फ भक्ति की यात्रा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्तित्व की परीक्षा बन गई है। कांवड़ यात्रा का सबसे सुंदर पक्ष इसकी सामूहिकता है। अलग-अलग प्रदेशों, भाषाओं और पृष्ठभूमियों से आए लोग एक ही भावना

से जुड़ते हैं। रास्ते में स्वयंसेवी संस्थाएं सेवा कार्य करती हैं, भोजन, विश्राम और चिकित्सा की व्यवस्था करती हैं। यह यात्रा समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को भी प्रबल करती है। हाल ही में उत्तर भारत, उत्तराखंड, बिहार और दिल्ली से अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां कांवड़ यात्रा में जिहादी तत्वों द्वारा पहचान छिपाकर शामिल होने के प्रमाण मिले हैं। यह लोग भगवा वस्त्र पहनकर, माथे पर चंदन लगाकर शिवभक्तों के बीच घुलमिल जाते हैं और फिर या तो महिलाओं के साथ छेड़खानी करते हैं, या हिंसा फैलाने की योजना बनाते हैं। कुछ जिहादी संगठनों द्वारा सोशल मीडिया पर कांवड़ यात्रा के विरुद्ध नफरत फैलाने वाले पोस्ट, वीडियो और फर्जी खबरें चलाई गईं। कई शहरों में तो कांवड़ यात्रा मार्गों पर पत्थरबाजी तक हुई है, जिसमें जिहादी तत्वों की संलिप्तता पाई गई। कुछ दिन पहले ही दिल्ली के शहादरा फ्लाईओवर पर कांवड़ यात्रियों के लिए आरक्षित एक लेन पर भारी मात्रा में कांच के टुकड़े पाए गए थे। कांवड़ यात्रा पर मंडराता संकट केवल बाहरी नहीं है।

देश के भीतर मौजूद तथाकथित 'सेकुलर' और वामपंथी राजनीति भी इस यात्रा को संदिग्ध और विवादास्पद बनाने में लगी रहती है। ऐसे राजनीतिक दल कभी भी कांवड़ियों पर हुए हमलों की निंदा नहीं करते, बल्कि यदि पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी जाए, तो उसे 'बहुसंख्यक तुष्टीकरण' कहकर आलोचना करते हैं। यदि हलाल भोजन का अधिकार वर्ग विशेष के लोगों को है तो क्या सनातनियों को शुद्ध और सात्विक भोजन का अधिकार नहीं है? यदि कोई हिंदू जानबूझकर अपनी पहचान छिपाकर रमजान के दिनों में मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए वर्जित खाना परोसे तो क्या इससे सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ेगा? नहीं, इससे सांप्रदायिक तनाव ही बढ़ेगा। आज कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ जिहादी मानसिकता वाले लोग अपनी पहचना छिपाकर सनातनियों का धर्मभ्रष्ट कर सांप्रदायिक तनाव को ही बढ़ाना चाहते हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव आज सरकार के प्रयासों और व्यवस्थाओं पर तंज कस कर सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने की इसी मंशा को हवा दे रहे हैं। अखिलेश यादव के बयानों से यह स्पष्ट है कि उन्हें न तो आस्था की समझ है और न ही व्यवस्थाओं के प्रति कोई अनुभव। सपा के एक अन्य वरिष्ठ नेता और सांसद एस. टी. हसन ने कांवड़ियों की तुलना आतंकवादियों से कर भारत की सनातन सहिष्णु संस्कृति पर सीधा प्रहार किया है। वहीं कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने एक बार फिर अपनी पुरानी परंपरा पर चलते हुए हिंदू आस्था और परंपरा पर सवाल उठाया है। उनका मानना है कि 'कांवड़ यात्रा से नफरत फैलती है' । दिग्विजय सिंह का यह कथन कोरी राजनीतिक ध्रुवीकरण की रणनीति है। जब-जब कांग्रेस असहाय होती है, वह हिंदू प्रतीकों पर हमले करके मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति को हवा देने लगती है। इस बयान के पीछे की सोच एक व्यापक विमर्श का हिस्सा है, जहां हर हिंदू प्रतीक, हर धार्मिक आयोजन को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। यही सोच कभी जय श्रीराम के नारे को उकसावे का नारा कहती है, कभी भगवा झंडे को नफरत का प्रतीक बताती है, और अब कांवड़ियों को आतंकवादियों की तरह पेश करती है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र निर्माण तक, भारतीय धर्म और संस्कृति ने लोगों को संगठित किया।

भगवा झंडा और बोल बमं जैसे उद्घोष देश को जोड़ते हैं, तोड़ते नहीं। इन प्रतीकों को आतंकवाद से जोड़ना उन करोड़ों नागरिकों का अपमान है जो शांतिपूर्वक अपने धर्म का पालन करते हैं। अगर कांवड़ यात्रा आतंक है, तो फिर भारत की आत्मा क्या है? फिर तो हर धार्मिक आयोजन को शक की नजरों से देखिए। यह दिशा देश को कहीं और नहीं, केवल ध्रुवीकरण, असहिष्णुता और विघटन की ओर ले जाती है। भारत की धार्मिक सहिष्णुता को कमजोरी समझने वालों को यह समझना होगा कि सनातन संस्कृति भले सहनशील हो, लेकिन अब सजग भी है। कांवड़ यात्रा जैसी पवित्र परंपरा में भक्तों को 'फर्जी नाम' की आड़ में जो धोखा दिया जा रहा है, वह सिर्फ व्यापारिक बेईमानी नहीं, एक सांस्कृतिक अपराध है। कांवड़ यात्रा हमारी सनातन परंपरा की एक चमकती झलक है। इसे राजनीतिक, सांप्रदायिक या उन्मादी उद्देश्यों के लिए उपयोग करने की प्रवृत्तियों को रोकना हम सभी का कर्तव्य है। पवित्रता की रक्षा केवल बाह्य निगरानी से नहीं, बल्कि भीतरी जागरूकता, सद्भाव और सत्य के साथ की जा सकती है। धार्मिक यात्राएं विभाजन नहीं, समन्वय का माध्यम बनें, यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

वेदांत आश्रमः मनोरथ के साथ प्रतिदिन होता पार्थिव शिवलिंग पूजन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

सतयुग में मणिलिंग, त्रेतायुग में स्वर्णलिंग, द्वापर में पारद एवं कलियुग में पार्थिवलिंग के निर्माण और पूजन को श्रेष्ठ कहा गया है। शिव महापुराण के विद्येश्वर संहिता अध्याय उन्नीस में उल्लेख है कि भगवान शिव के सभी आठ मूर्तियों में पार्थिव मूर्ति श्रेष्ठ है। किसी अन्य द्वारा न पूजी हुई नवनिर्मित पार्थिवमूर्ति के पूजा करने से तपस्या से अधिक फल प्राप्त होता है। जैसे सभी देवताओं में शंकर ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ कहे जाते हैं। उसी प्रकार सभी लिंग मूर्तियों में पार्थिवलिंग श्रेष्ठ कहा जाता है। सभी नदियों में गंगा ज्येष्ठ और श्रेष्ठ कही जाती हैं, वैसे ही सभी लिंग मूर्तियों में पार्थिवलिंग श्रेष्ठ कहा जाता है। जीवाजीपुर स्थित वेदांत आश्रम में सावन के पावन मौके पर बन रहे पार्थिव शिवलिंग निर्माण के दौरान आश्रम के महंत हरिहरदास महाराज ने कहा कि पार्थिव शिवलिंग की पूजा को स्त्री पुरुष सभी कर सकते हैं। यह सम्पूर्ण मनोरथों को पूर्ण करने वाली है। पार्थिव शिवलिंग मिट्टी, जल, भस्म, चन्दन, शहद आदि को मिश्रित (मिलाकर) करके अपने हाथों से निर्मित किया जाता है। इसके लिए छानी हुई शुद्ध मिट्टी, गाय का गोबर, गुड़, मक्खन , शहद ,चन्दन और भस्म मिलाकर शिवलिंग का निर्माण करना चाहिए। रविवार को पार्थिव शिवलिंग निर्माण और अभिषेक पूजन यजमान बृज किशोर सुहाने एवं सौरव सुहाने

द्वारा किया गया। आश्रम में संस्कृत विद्यालय के वेदमूर्ति पं. शिवशंकर पाण्डेय वेदध्यापक बनारस ने बताया कि पार्थिव पूजन कालसर्प योग, गृहक्लेश, व्यापार में नुकसान, शिक्षा में रुकावट सभी कार्यों एवं बाधाओं को दूर करने के लिए रुद्राभिषेक आपके अभीष्ट सिद्धि के लिए फलदायक है। पशु,भवन,वाहन प्राप्ति के लिए दही, लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए इक्षु रस (गन्नेका रस), धन प्राप्ति के लिए मधु (शहद) और घृत (घी) से, मोक्ष प्राप्ति के लिए तीर्थ के जल से अभिषेक करना चाहिए। पुत्र की इच्छा करने वाले व्यक्ति को दूध से शिवजी का अभिषेक करना चाहिए। प्रमेह रोग के विनाश के लिए विशेष रूप से केवल दूध की धारा से अभिषेक करना चाहिए, इससे मनोवांछित कामना की भी पूर्ति होती है। बुद्धि की जड़ता को दूर करने के लिए और बुद्धि तेज करने के लिए शक्कर मिले दूध से अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने पर भगवान शंकर की कृपा से उसकी बुद्धि श्रेष्ठ हो जाती है। सरसों के तेल से अभिषेक करने पर शत्रु का विनाश हो जाता है। उन्होंने बताया कि आश्रम में अध्ययनरत वेदपाठी बटुक विद्यार्थियों के द्धारा भगवान शंकर की पार्थिव शिवलिंग का शुक्लयजुर्वेद के मंत्रों से पृथक-पृथक पूजन एवं शुक्लयजुर्वेद में भगवान शिव को समर्पित विशेष मंत्र जिन्हें रुद्राष्टाध्यायी के नाम से जाना जाता है, ऐसे दिव्य मंत्रों के सस्वर पाठ से भगवान का रुद्राभिषेक नित्य संपन्न कराया जा रहा है।

शिकायतों पर नहीं हो रही कार्रवाई, बड़े भ्रष्टाचार की आशंका

मेढ़ बंधान, खेत तालाब में जेसीबी मशीन का उपयोग, कागजों में मजदूरों को दिया रोजगार

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर मजदूर वर्ग को काम दिलाने के लिए शासन की ओर से मनरेगा योजना के तहत उन्हें कम से कम 100 दिवस का रोजगार दिलाए जाने का प्रावधान है लेकिन दमोह जिले के तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में जॉब कार्डधारी मजदूरों को काम नहीं मिल पा रहा है जिससे ब्लॉक के हजारों मजदूर प्रतिदिन पलायन करने के लिए विवश हो रहे हैं। वहीं कई ग्राम पंचायतों में जेसीबी मशीनों के काम होने की शिकायतें स्थानीय लोगों और संगठनों द्वारा आए दिन जनपद पंचायत और जिला पंचायत व दमोह कलेक्टर तक की जाती हैं जहां अधिकारियों द्वारा जांच व कार्रवाई के लिए आश्वासन दे दिया जाता है लेकिन इनकी जांच के नाम पर समय लगाया जाता है और जांच में दोषी पाए जाने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

धनगौर ग्राम पंचायत में मशीनों से हुए काम, दर्ज किए मजदूर

ब्लॉक मुख्यालय से 7 किमी दूर तारादेही मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत धनगौर में सरपंच सचिव व सहायक सचिव द्वारा कार्य कराया जा रहा है। दरअसल धनगौर ग्राम पंचायत में मनरेगा के कामों को मशीनों से कराया गया है जहां लोगों को रोजगार नहीं मिल सका है। यहां पर शासन द्वारा स्वीकृत हुए खेत तालाब, मेढ़ बंधान कार्य व तालाब केजीर्णोद्धार कार्यों में जेसीबी मशीन का उपयोग किया गया है। धनगौर ग्राम के लोगों का आरोप है सरपंच सचिव व सहायक सचिव द्वारा मनमानी की जा रही है और मशीनों से कार्य कराए जा रहे हैं। लेकिन अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि ज़िम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से पंचायत के सरपंच सचिव सहायक सचिव द्वारा यह कार्य कराए गए हैं। धनगौर ग्राम के लोगों का कहना है कि भटरिया में सरपंच द्वारा अपनी ही जगह पर आधा अधूरा गड्ढा खोदकर उसे खेत तालाब का नाम दे दिया गया है। उसकी राशि बंदरबांट कर ली है।

कागजों में पूरी होती है योजना

वहीं धनगौर में उक्त कार्य को जेसीबी मशीन से कराया गया है लेकिन मनरेगा पोर्टल पर मजदूरों को रोजगार देना दर्शाया गया है। जबकि भटरिया के पास रहने वाले लोगों ने बताया है कि यह कार्य दो महीने पहले मई जून के बीच में हुआ था जिसमें एक भी मजदूर को काम नहीं दिया गया। पूरा काम मशीन से कराया गया है। जिसका भुगतान अभी भी चल रहा है। जबकि मनरेगा का मुख्य उद्देश्य ही गांव के मजदूरों को काम देना था। लोगों ने कहा कि मजदूरों के नाम मस्टर ग्राम पंचायत के लोग कागजों में भर लेते हैं और उनके नाम से पैसा निकाल रहे हैं।

काम के अभाव में मजदूरों को करना पड़ रहा है पलायन, गांव में नहीं

कहने को भले ही धनगौर ग्राम पंचायत मुख्यालय से 7 किमी की दूरी पर स्थित है और आए दिन इस मार्ग से अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है। लेकिन इस ग्राम पंचायत में अधिकारियों की नजर नहीं पहुंच पाती है जिसके कारण यहां पर जमकर भ्रष्टाचार की इबादत लिखा जा रही है। अगर बीते तीन साल से आज तक की इस ग्राम पंचायत की जांच की जाए तो लाखों का भ्रष्टाचार निकलकर सामने आ सकता है। वहीं दूसरी ओर इस गांव के 50 प्रतिशत लोग प्रतिदिन पलायन करते हैं और दो वक्त की रोजी रोटी के लिए काम की तलाश में भटकते रहते हैं। लोगों का आरोप है कि गांव में कभी भी रोजगार नहीं मिलता है जिसके कारण प्रतिदिन जबलपुर दमोह सागर सहित दूसरे प्रदेशों में रोजगार की तलाश में जाना पड़ता है।

इस संबंध में जब जनपद पंचायत सीईओ मनीष बागरी से बात करनी चाही गई तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

मां नर्मदा किनारे की सफाई, कायस्थ समाज मातृ शक्ति ने एक दर्जन पौधों का किया रोपण

नर्मदापुरम। शहर में अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा चित्रगुप्त घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान के तहत नर्मदा किनारे से कचरा साफ किया गया और डस्टबिन में डाला गया। इस मौके पर ज्योति अभय वर्मा ने कहा कि नर्मदा हमारी जीवन दायिनी है। हमें मिलजुलकर इनकी साफ सफाई करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने टेलीफोन एक्सचेंज के पास लगभग एक दर्जन पौधों का रोपण किया । इसके साथ ही सुमन वर्मा ने कहा कि मां नर्मदा किनारे हम सभी को मिलजुल कर अभियान चलाना चाहिए। घाटों पर कचरा कूड़ा इकट्ठा करके डस्टबिन में डाला गया। इसके साथ ही कार्यक्रम के बाद टेलीफोन स्थित पार्क पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। समाज के लोगों ने कहा कि पेड़ पर्यावरण और मानव जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। समाज की नन्ही परी ने भी पौधरोपण कर सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया। छोटी बच्ची ने पार्क में पौधरोपण किया। इस दौरान लगभग एक दर्जन पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर ज्योति वर्मा , सुमन वर्मा ने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और पर्यावरण को सुरक्षित रखें। इस अभियान में जिला अध्यक्ष ज्योति वर्मा, प्रखर समाजसेवी सुमन वर्मा , नेहा थापक, मनोज वर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, केशव देव वर्मा, सी बी खरे विजय वर्मा, लालता प्रसाद आदित्य ज्योति वर्मा, सुमन वर्मा प्रीति खरे, रश्मि सक्सेना, सारिका सक्सेना, शीतल श्रीवास्तव सरिता,सावनी सक्सेना अंशिका श्रीवास्तव सहित कई लोग शामिल हुए।

तवा नगर में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन आज से

नर्मदापुरम। तवानगर में 21 से 28 जुलाई तक श्रीमद भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। इंद्रजीत यादव ने बताया कि उनके पिता स्व. अशोक यादव के वार्षिक श्राद्ध के निमित्त में इस कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भागवत कथा का वाचन व्यासपीठ छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से आए हुए पंडित अविनाश तिवारी के मुखारबिंद से होगा। उन्होंने सभी धर्मप्रेमियों को कहा है कि सोमवार को कलश यात्रा शिव मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल शिमला हिल्स कॉलोनी यादव निवास पर पहुंचेगी। इसके पश्चात विधिवत कथा प्रारंभ होगी ।

नागद्वारी गुफा के प्रति आस्था में बढ़ते जा रहे भक्तों के कदम

घने जंगलों और दुर्गम घाटियों को पार कर हो रही है गुफा तक की यात्रा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पचमढ़ी में चल रहे नागद्वारी मेले में सतपुड़ा के घने जंगलों में स्थित नागद्वारी गुफा के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ निरंतर बढ़ रही है। निर्जन वनों एवं दुर्गम घाटियों की बाधाओं को पार करके भक्तों का सैलाब पद्मशेष नागद्वार मंदिर पहुंच रहा है। साल में एक बार खुलने वाले इस मंदिर के प्रति भक्तों की अटूट आस्था एवं विश्वास ही है जो वे सभी इन कठिनाइयों को भी परास्त कर भगवान पद्मशेष नागद्वार के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। सदियों पुराने नागद्वारी मेला के संबंध में अनेकों कथाएं प्रचलित हैं जिनसे मेले के महत्व के एतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। इसी एतिहासिक मेले के साक्षी बनते हुए आज तक 40 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य के दर्शन किए। प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुगम यात्रा के लिए यथासंभव हर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं

जिससे भक्तों को यह सफर तय करने में आसानी हो।

ऐसी मान्यता है कि छिंदवाड़ा के निकट सौंसर की एक दम्पत्ति हेवत राम एवं मैना देवी के यहा संतान नहीं होती थी। इस दंपति ने पदमशेष में मानता की थी की यदि उनके यहा संतान होती है तो वो नाग देवता को काजल लगाएंगी। समय के साथ उनके यहा श्रवण कुमार नामक पुत्र का जन्म हुआ किन्तु किन्हीं कारणवश अपनी मानता भूल गई, तब नाग देवता ने इस दम्पत्ति के स्वप्न में दर्शन देकर उन्हें उनकी मानता की याद दिलाई तब ये दंपत्ति नागदेवता को आंख में काजल लगाने के लिए नागद्वारी पहुंचा तब नागदेवता ने अपने विराट रूप के दर्शन दिये।

प्रशासन चौकस

जिला प्रशासन एवं महादेव मेला कमेटी द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से इस वर्ष सी.सी.टी.वी से पदमशेष नागद्वार मंदिर की निगरानी की जा रही है। मेला क्षेत्र में होने वाली समस्त गतिविधियों पर महादेव मेला समिति सचिव अनीशा श्रीवास्तव एवं अन्य उच्चधिकारियों द्वारा निरन्तर नजर बनाये रखे हुऐ है, प्रतिदिन बैठक कर मेले का अपडेट लिया जा रहा है तथा मेला क्षेत्र में आने वाली समस्याओं को तत्परता से हल किया जा रहा है। एकीकृत कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जिसके द्वारा मेले में प्रत्येक सेक्टर पॉइंट से वायरलेस कनेक्टिविटी को जोड़ा गया है।

निर्बाध आवागमन किया जा रहा सुनिश्चित

परिवहन विभाग की मेले से जुड़े वाहनों पर कड़ी नजर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नागद्वारी मेले के दौरान परिवहन विभाग द्वारा मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के निर्बाध आवागमन के लिए वाहनों की आवाजाही का उचित प्रबंधन सुनिश्चित की जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार मेला क्षेत्र में बड़े वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा द्वारा निरंतर चेक पॉइंट्स की मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही बड़े वाहन एवं मल्टी एक्सल वाहनों के ट्रैफिक का भी स्मार्ट प्रबंधन कर उनकी आवाजाही करवाई जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा पचमढ़ी में पूर्व से पहुंचे बड़े स्लीपर बस वाहनों को नीचे वापस भेज दिया गया है। परिवहन विभाग की टीम द्वारा राउंड वार 24 घंटे परिवहन व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है तक तथा श्रद्धालुओं के लिए निर्बाध परिवहन सुनिश्चित किया जा रहा है।

रिंकू शर्मा ने बताया कि मेला क्षेत्र में जाम की स्थिति निर्मित न हो इसलिए पचमढ़ी क्षेत्र में बड़े स्लीपर बस वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित किया गया है। ऐसे सभी वाहन जिनसे जाम लगने की संभावना अधिक होती है उन्हें अस्थाई पार्किंग/पगारा में पहुंचाया जा रहा है। साथ ही छोटे वाहनों को टैक्सी स्टैंड पर बनी पार्किंग में खड़ा करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पचमढ़ी क्षेत्र के समीपस्थ जिले छिंदवाड़ा एवं बैतूल के परिवहन विभाग से संपर्क कर वहां से बड़े बस वाहनों की आवाजाही को पचमढ़ी क्षेत्र में सीमित किया गया है तथा मटकुली से 1 किलोमीटर पूर्व उन्हे रोक कर डायवर्ट भी किया जा रहा है।

छात्राओं से बैड टच मामले में शिक्षक राम आशीष पाण्डेय को किया निलंबित

नर्मदापुरम। शासकीय उमावि बघवाड़ा विकासखंड सिवनीमालवा, जिला नर्मदापुरम के प्रभारी शिक्षक राम आशीष पाण्डेय द्वारा विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्राओं के साथ अभद्र आचरण एवं बैड टच की गंभीर शिकायतों के आधार पर एवं प्राप्त तथ्यों की पुष्टि होने पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम तथा सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम के तहत उक्त शिक्षक का कृत्य प्रथम दृष्टया आपत्तिजनक एवं अनुशासनहीनता की श्रेणी में पाया गया है। उक्त संबंध में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण विभाग नर्मदापुरम द्वारा तत्काल प्रभाव से रामआशीष पाण्डेय को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनीमालवा से हटाकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सोहागपुर में अटैच किया गया है। इसके अतिरिक्त, उनके विरुद्ध है शासकीय आवश्यक अनुशासनात्मक कार्यवाही भी प्रस्तावित की जा रही है। प्रभारी प्राचार्य सुनील कुमार झारानिया को छात्राओं द्वारा की गई शिकायत को गंभीरता से न लेने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और हिदायत भी दी गई है कि तत्संबंध में संतोषजनक स्पस्टीकरण प्रस्तुत करें अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

जिला स्तरीय पत्रकार मिलन समारोह में हुआ आयोजित

गंजबासौदा। स्थानीय दादजी प्लाजा में असेंबली ऑफ़ एमपी जर्नलिस्टस् यूनियन का जिला स्तरीय पत्रकार मिलन समारोह संपन्न हुआ। जिसमें जिले की विभिन्न तहसीलों से आए पत्रकारों एवं पत्रकारिता से जुड़े हुए लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में प्रथम जिला न्यायाधीश एवं न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश व विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष अनुराग द्विवेदी एवं सिविल जज रावेद्र सोनी, यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार राधावल्लभ शारदा मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी, अनुविभागीय अधिकारी विजय राय, नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, पूर्व विधायक लीना जैन उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माता सरस्वती एवं विश्व के प्रथम संवाददाता ब्रह्म ऋषि नारद मुनि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।

मेट्रो एंकर

पीड़ित नगरवासी बोले-नर्मदा जल योजना सार्थक नहीं, महीने में कई बार रहती है बंद

नर्मदा लाइन का सिस्टम हुआ फेल, कई वार्डों में टैंकरों से सप्लाई करना पड़ रहा है पानी

नगर में गंदे पानी के कारण बढ़ते जा रहे हैं पेट के मरीज

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में कई जगह दूषित पानी की वजह से कई लोग उल्टी दस्त पेट दर्द से परेशान हैं। वहीं अनेक वार्डों में लोगों को बरसात में पानी तक प्राप्त नहीं हो पा रहा है। अनेक वार्डों में पानी की काफी समस्या आ गई है जिसके चलते पानी टैंकरों से सप्लाई चल रही है। हालांकि एक राहत देने वाली खबर यह है कि उल्टी दस्त के मरीजों में कमी आ गई है। नगर परिषद की विद्यानगर में होने वाली सप्लाई में मोटर जल जाने के कारण 5-6 दिनों से लोगों को पानी प्राप्त नहीं हो रहा है जिसके चलते वार्डों की महिलाओं ने नगर परिषद में जाकर खरी-खोटी भी सुनाई हैं। विद्यानगर सरस्वती स्कूल के पास कई महिलाओं ने जल सप्लाई व्यवस्था के प्रति अपना आक्रोश जाहिर किया है। वहां पानी वाली

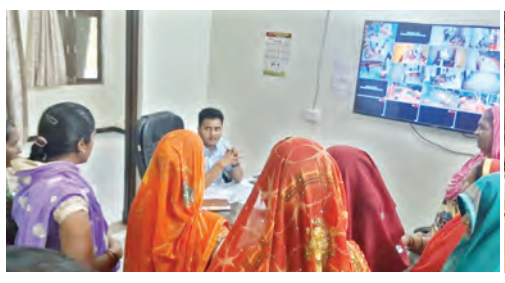

मोटर लगभग 5 दिन से खराब है। इस समय वार्ड क्रमांक 3,4,5 , 8, 9, 10 में टैंकरों से पानी भिजवाया जा रहा है

नर्मदा जल जबलपुर जिले की लम्हेटाघाट से तेंदूखेड़ा नगर तक 2023 में पहुंचा है। इस योजना से नगरवासियों को काफी उम्मीद जगी थी कि अब उन्हें मां नर्मदा का पानी शुद्ध फिल्टर होकर प्रतिदिन 24 घंटे प्राप्त होगा लेकिन 24 घंटे तो दूर 1 घंटे भी लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण नगर परिषद को अलग से व्यवस्था करनी पड़ी है। इस व्यवस्था के कारण पुरानी पाइप लाइनों का सहारा भी लिया गया है हैरानी की बात है कि नगर के 70 फीसदी लोग नर्मदा जल का तो 30 फीसदी लोग बोर एवं कुंओं की सप्लाई से पानी ले रहे हैं। जहां नर्मदा लाइन का पानी नहीं पहुंच रहा है वहां 20 साल पुराने जंग लगे लीकेज वाले पाइपों से दूषित पानी भी लोगों के घर में पहुंच रहा है। इस पानी को पीकर लोग बीमार हो रहे हैं। वहीं नर्मदा जल लोगों के घर-घर पहुंचाने वाली लगभग 31 करोड़ की जल प्रदाय योजना के अंतर्गत नगर में दो पानी की टंकियां भी बनाई गई हैं।

इनका कहना है

नगर परिषद के सीएमओ पीयूष अग्रवाल का कहना है कि नर्मदा लाइन का सिस्टम फेल हो गया है। हमारे पास कई लोगों के फोन आ रहे हैं। नर्मदा लाइन के संबंध में उच्च अधिकारी से बात की जाएगी तथा समस्या का स्थाई समाधान निकालने की कोशिश होगी। एसडीएम सौरव गंधर्व ने कहा कि पानी सप्लाई में समस्या है जिसके निराकरण करने के लिए सीएमओ से कहा है।

ओबीसी आरक्षण की बहाली को लेकर गुस्से का इजहार, कलेक्टर को ज्ञापन

महासभा की मांग न मानी तो प्रदेश भर में पहुंच सकती है आंदोलन की आंच

भिंड। दोपहर मेट्रो

ओबीसी महासभा ने राज्य सरकार से 13 फीसदी ओबीसी आरक्षण की बहाली की मांग तेज कर दी है। इसी के तहत भिंड कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर कार्यालय के बाहर एक घंटे तक नारेबाजी की गई और बाद में एडीएम एल.के. पांडे को मुख्यमंत्री के नाम 18 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन में महासभा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, युवा और समाजसेवी बड़ी संख्या में शामिल हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें शीघ्र नहीं मानी गईं तो राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

ज्ञापन में जो प्रमुख मांगें उठाई गईं, उनमें सबसे अहम है ओबीसी वर्ग का 13 प्रतिशत आरक्षण तत्काल बहाल करना और चयनित अभ्यर्थियों को शीघ्र नियुक्ति देना। इसके अलावा, जातिगत जनगणना की मांग भी प्रमुख रही ताकि ओबीसी की वास्तविक आबादी का आंकलन हो सके। महासभा ने सुझाव दिया कि मध्यप्रदेश विधानसभा की 125 सीटें ओबीसी के लिए आरक्षित की जाएं और भारतीय न्यायिक सेवा का गठन कर न्यायपालिका में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही, कोलेजियम प्रणाली को समाप्त करने और न्यायिक नियुक्तियों को पारदर्शी बनाने की भी मांग की गई।

छात्रवृत्ति और भर्ती प्रणाली में सुधार की मांग उठाई

छात्रवृत्ति की आय सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 12 लाख रुपए करने की मांग की गई है जिससे अधिक छात्र लाभान्वित हो सकें। इसके अतिरिक्त, सभी सरकारी विभागों में बैकलॉग पदों की शीघ्र पूर्ति, आउटसोर्सिंग बंद कर नियमित भर्ती, और आरक्षण रोस्टर के पालन को भी जरूरी बताया गया।

अप्रिय घटना रोकने के लिए बड़ी संख्या में तैनात रहा पुलिस बल

कलेक्ट्रेट परिसर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। एडीएम ने प्रदर्शनकारियों की मांगों को गंभीरता से सुना और ज्ञापन को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

ये मांगें भी रहीं

- आरक्षण में ओबीसी वर्ग को भी सम्मिलित किया जाए।
- ओबीसी छात्रावासों में सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।
- मालनपुर की 2000 बीघा भूमि विवाद पर निष्पक्ष जांच समिति का गठन हो।

ग्राहक सेवा ही संकल्प हमारा- राजेश

रायसेन। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला रायसेन इकाई की बैठक संघ कार्यालय औबेदुल्लागंज में सम्पन्न हुई। बैठक में ग्राहक एव राजा विषय पर चर्चा हुई। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का लक्ष्य शोषण मुक्त समाज का निर्माण करना है। जन्म के पूर्व से ही व्यक्ति ग्राहक बन जाता हैं और मृत्यु उपरांत तक ग्राहक होता हैं इस यात्रा में कई बार ग्राहक के रूप में उसे शोषण का सामना करना पड़ता है। इस शोषण से मुक्त करना ही ग्राहक पंचायत का मुख्य लक्ष्य है यह बात प्रान्त सचिव राजेश दांगी ने कही । बैठक में ग्राहक पंचायत की आगामी कार्य योजना पर बात करते हुए प्रान्त सचिव ने कार्यकर्ताओं को मगर्दर्शित किया। अगस्त से अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत सदस्यता अभियान शुरू करेगी, जिसमें जिले के पदाधिकारियों को व्यक्तिगत लक्ष्य के रूप के सदस्यता अभियान का लक्ष्य निर्धारित किया गया । साथ ही जिले की सभी तहसीलों में प्रवास कार्यक्रम के लिए प्रभार भी जिला पदाधिकारियों को दिया गया साथ ही पर्यावरण आयाम विधि आयाम महिला आयाम के माध्यम से सभी वर्गों के बीच ग्राहक पंचायत का विषय पहुँचे इस बात पर बल दिया गया। बैठक के बाद पर्यावरण आयाम प्रमुख के साथ अतिथियों ने वेल पत्र का पौधा भी रोपित किया । बैठक में राजेश दांगी प्रान्त सचिव,सुनील धनगर प्रान्त सह प्रचार प्रमुख राकिशोर नंदवंशी विधि आयाम प्रमुख और जिला अध्यक्ष शशांक मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। जिले की सभी तहसीलों से कार्यकर्ता सम्मलित हुए ।

निर्माण व विकास कार्यों का निरीक्षण कर काम में तेजी लाने के दिए निर्देश

इटारसी। कृषि उपज मंडी परिसर में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण विधायक प्रतिनिधि देवेन्द्र पटेल ने किया। उन्होंने इस दौरान मौके से ही ठेकेदार से बात करके काम में तेजी लाने के निर्देश दिये। रविवार को विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि देवेन्द्र पटेल ने मंडी परिसर में चल रहे,एक करोड़ की सड़क निर्माण और मंडी के गेट के पास माधव राव सिंधिया की प्रतिमा स्थल पर बन रहे उद्यान का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां कार्यरत कर्मचारियों से कार्य की जानकारी ली तथा मौके से ही कॉल करके ठेकेदार से बात की। पटेल ने ठेकेदारों से कहा कि कार्य की गुणवत्ता का खास ध्यान रखें और इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं होना चाहिए। उन्होंने काम में तेजी लाने को कहा। ठेकेदार ने छह माह में कार्य पूर्ण करने के प्रति आश्वस्त किया है।

स्वामी विवेकानंद उपवन में नपा अध्यक्ष सहित वार्डवासियों ने की साफ-सफाई

इटारसी। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पंकज चौरे के नेतृत्व में वार्ड 20, आरएमएस कॉलोनी स्थित स्वामी विवेकानंद उपवन में श्रमदान और स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर वार्डवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उपवन की सफाई की। नगर अध्यक्ष चौरे ने कहा कि हर रविवार को एक घंटे का सामूहिक श्रमदान किया जाएगा, जिसमें पार्क की सफाई, पेड़-पौधों की देखभाल और हरियाली को बढ़ावा देने के कार्य किए जाएंगे। इस श्रमदान अभियान में कई स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सहभागी सदस्यों में विचित्र सिंह, गौरव बड़कुर, आशीष कुमार मालवीय, ऋषभ चौहान, प्रशांत राजपूत, शैलेन्द्र शर्मा, रोहित चौरे, राहुल चौरे, बब्बर बर्कुर, प्रशांत पटेल, सुरेश सोनी, वीरेंद्र सैनी, मोनू ठाकुर, साहू सर, श्रियंक तिवारी, सतीश मालवीय, किशोर चौहान, अंकित तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

जगन्नाथ यात्रा पर निकली विट्ठल मार्केट समिति का रेलवे स्टेशन किया स्वागत

इटारसी। जय मां वैष्णो समिति, विट्ठल मार्केट भोपाल द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ की वार्षिक भक्ति यात्रा के लिए प्रस्थान कर रही समिति का इटारसी रेलवे स्टेशन पर श्रद्धा और सम्मान के साथ स्वागत किया गया। समिति के लगभग 100 सदस्यों को इटारसी वासियों द्वारा पुष्पवर्षा और पुष्पमालाओं से अभिनंदन कर विदा किया गया। इस भक्ति एवं सेवा यात्रा को लेकर नगर में विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। स्वागत करने वालों में इटारसी के कार्यकर्ता मनीष ठाकुर, भूपेंद्र राय, ऋषभ राय, मुन्ना भाई, नीरज बहुत्रे, नरेंद्र पटवा, मनीष चौकसे, यश जैन सहित अन्य रहे। समिति संयोजक हरिओम खटीक ने जानकारी देते हुए बताया कि विट्ठल मार्केट समिति विगत 22 वर्षों से नवरात्रि में देश के प्रमुख मंदिरों की भव्य झांकियां सजाती आ रही है। झांकी निर्माण से पहले समिति उसी मंदिर की यात्रा कर वहां स्थानीय ब्राह्मणों से विधिवत पूजन-अर्चन कराती है, ताकि भक्ति और अनुभव की वास्तविकता झांकी में प्रतिबिंबित हो। इस वर्ष समिति भगवान श्रीजगन्नाथ मंदिर की झांकी सजाने जा रही है, जिसके दर्शन आगामी नवरात्रि पर्व पर विट्ठल मार्केट, भोपाल में कराए जाएंगे।

सतना में चोरी की वारदात, पड़ताल जारी

चमकाने के बहाने सोने की चेन और अंगूठी लेकर चंपत

सतना। दोपहर मेट्रो

जिले में चोरी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शहर के धवारी इलाके में धातु चमकाने के नाम पर एक युवक ने घर में घुसकर पहले भरोसा जीता और फिर मौका पाकर सोने की चेन और अंगूठी लेकर फरार हो गया है। आशंका है कि शहर में जेवर साफ करने वाला ठग गिरोह फिर से सक्रिय हो चुका है।

दरअसल, ठगी की यह वारदात धवारी निवासी धर्मेंद्र यादव नामक व्यक्ति के साथ हुई है। एक अज्ञात युवक उनके घर पहुंचा और खुद को पीतल-तांबा साफ करने वाला बताया। उसने एक खास पाउडर दिखाया और कहा कि वह पुराने धातु बर्तनों को नए जैसा चमका सकता है। धर्मेंद्र ने पहले कुछ तांबे के बर्तन उसकी सलाह पर साफ करवाए। जब वे चमकने लगे तो वह युवक पर भरोसा कर बैठा। फिर उन्होंने अपनी सोने की चेन और अंगूठी भी साफ करवाने को दी।

पीने का पानी मांगा और जेवर ले भागा

युवक ने चेन और अंगूठी को एक कैमिकल में डाला और फिर धर्मेंद्र से पीने का पानी मांगा। जैसे ही वे पानी लेने के लिए अंदर गए तभी आरोपी जेवर लेकर फरार हो गया। पीड़ित अनुसार आरोपी की सभी जगह तलाश की गई, लेकिन तब तक वह फरार हो चुका था। जिसके बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज करवाई। उसने इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को संदेह है कि यह कोई एकल वारदात नहीं बल्कि शहर में सक्रिय किसी ठग गिरोह का काम हो सकता है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

कटनी के बरही क्षेत्र में दर्दनाक हादसा

मोटर पम्प सुधारने कुएं में उतरे किसान की गैस के रिसाव से हुई दर्दनाक मौत

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत इटौरा गांव में एक घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। कुएं में खराब मोटर पंप सुधारने उतरे एक किसान की जहरीली गैस के रिसाव से दम घुटने के कारण दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इटौरा गांव निवासी राकेश सिंह पिता हनुमान सिंह, जिनकी उम्र लगभग 40 वर्ष थी, करीब 12 बजे अपने खेत पर स्थित कुएं की मोटर पंप खराब होने के बाद उसे सुधारने के लिए कुएं के अंदर उतरे। परिजनों ने बताया कि राकेश सिंह जैसे ही कुएं में उतरे, वहां से अचानक तेज गैस का रिसाव शुरू हो गया।

गैस की चपेट में आते ही राकेश सिंह तत्काल अचेत हो गए। परिजनों ने आनन-फानन में राकेश सिंह को कुएं से बाहर निकाला और तत्काल बरही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के उपरांत राकेश सिंह को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के इस ऐलान के साथ ही परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस संबंध में बरही थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह यादव ने बताया कि मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए और पंचनामा की बनाकर मर्ग दर्ज किया है। घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। प्राथमिक तौर पर कुएं के नजदीक जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

हार-जीत का लग रहा था दांव जुआ फड़ से नौ लोगों को पुलिस ने पकड़ा, केस दर्ज

सागर। मोतीनगर थाना क्षेत्र के सुभाष नगर इलाके में चल रहे एक जुआ फड़ पर दबिश देकर पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार मोतीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि सुभाषनगर क्षेत्र में कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों से रूपयों का हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस टीम

गठित कर मौके पर दबिश दी गई। दबिश के दौरान 9 व्यक्तियों को ताश के पत्तों एवं 4950 रूपये के साथ जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

कोर्ट का फैसला: हत्या के आरोपी को 10 साल की सजा, तीन हजार रुपए का जुर्माना

सागर। कोर्ट ने हत्या के मामले में आरोपी को 10 साल की सजा और तीन हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया है। फरियादी योगेश 25 वर्ष पिता घूमन सिंह लोधी निवासी ग्राम जरूआखेड़ा झंडापुर ने 9 जुलाई 2024 को रिपोर्ट की थी कि दादा दौलत सिंह लोधी को नीरज यादव ने जान से मारने की नियत से लाठी से मारा है, जिससे दादा दौलत सिंह की मृत्यु हो गई। जिसकी रिपोर्ट पर थाना नरयावली में आरोपी नीरज यादव के

खिलाफ अपराध 197/2024 धारा 296,103 (1) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था।

समाज व गौ-सेवकों का किया सम्मान

इटारसी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया के मार्गदर्शन में इटारसी के साईं कृष्णा रिसॉर्ट में बजरंग दल के प्रांत मंत्री जगवीर राजवंशी के नेतृत्व संपन्न हुई। जिसमें जिला अध्यक्ष अजय ठाकुर, विभाग महामंत्री ओमप्रकाश राणा, विभाग मंत्री विनोद कसार, नगर अध्यक्ष सतविंदर सिंह खालसा मौजूद रहे। बैठक मे मुख्य वक्ता प्रांत महामंत्री संजीव पटेरिया ने मार्गदर्शन दिया। पटेरिया ने कहा कि सरकार जल्द से जल्द जनसंख्या नियंत्रण कानून, सामान्य नागरिक संहिता कानून लागू करें। प्रांत मंत्री जगवीर राजवंशी द्वारा समाज में सेवा कर रहे समाजसेवी का सम्मान किया। जिसमें ड्रीम्स इंडिया क्लब इटारसी तथा गौसेवक विक्रम यादव, गो सेवक दीपू पाटोदिया एवं हनुमान चालीसा केंद्र चला रहे संदीप सोनकर को शाल, श्रीफल एवं हनुमान चालीसा भेंट कर सम्मानित किया गया। विभाग महामंत्री ओमप्रकाश राणा ने संबोधन में कार्यकर्ताओं को प्रत्येक ग्राम नगर जिला इकाई में हनुमान चालीसा केंद्र का शुभारंभ करने को कहा। जिला अध्यक्ष अजय ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को कहा कि अपने दैनिक जीवन में थोड़ा थोड़ा समय निकाल कर सनातन धर्म संस्कृति की रक्षा के लिये समाज को जोड़ने हेतु प्रयास करना जरूरी है। बैठक में विभाग अध्यक्ष गजेंद्र राव, जिला अध्यक्ष राजीव गौर, जिला मंत्री धीरज चौकसे, जिला उपाध्यक्ष गौरव बाथम, जिला मंत्री प्रिंस साहू, आईटी सेल प्रभारी गौरव पटवा, कोषाध्यक्ष रणजीत सिंह राणा, अनिल सिंह चौहान, अमित गौर व लोग उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

नगर में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में बह रही भक्ति बयार

माता-पिता की सेवा ही सारे तीर्थ धाम के बराबर: युवराज स्वामी

इटारसी। दोपहर मेट्रो

माता-पिता की सेवा में ही ईश्वर के सभी तीर्थ धामों के दर्शन का फल मिलता है। आजकल लोग तीर्थ यात्राओं पर जाते हैं और ऊपरी मन की भक्ति दिखाते हैं जबकि उनके घर में देखो तो माता पिता दुखी हैं। उनकी सेवा तो छोड़िए कई घरों में उन्हें समय पर भोजन पानी भी नहीं मिलता। उनके बच्चे तीर्थ क्षेत्रों पर जाकर ऐसी भक्ति दिखाते हैं जैसे उनसे बड़ा कोई भगवान भक्त ही नहीं है। ऐसे लोगों की भक्ति ईश्वर स्वीकार नहीं करते, जिनके माता-पिता घर में दुखी हैं। सबसे पहले अपने माता-पिता का ध्यान रखें, उनकी सेवा करें, उनके सुख-दुख को सुनें, उनके साथ समय बिताएं। ऐसा करने से ईश्वर की कृपा

आपके ऊपर स्वतः ही बनी रहेगी। उक्त उदगार मनोरमा देवी गुप्ता एवं परिवार बैंगलोर द्वारा आयोजित सात दिवसीय संगीतमय भागवत कथा के पांचवें दिन व्यासपीठ से श्री 1008 युवराज स्वामी रामकृष्णाचार्य जी ने व्यक्त किए।

पंचम दिवस की कथा में महाराज श्री ने श्रीकृष्ण बाल लीला एवं गोवर्धन लीला कथा विस्तार से श्रोताओं को सुनाई। साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ थावाचकों के बहकावे में आकर लोगों ने भक्ति में पाखंड का सहारा ले लिया है। जिन्हें शास्त्रों और पुराणों का

पूर्ण जान नहीं है ऐसे लोग कई प्रकार के टोटके और उपाय बताकर लोगों की समस्या हल होने का दावा करते हैं। वैसे तो यह कार्य वे साल भर करते हैं लेकिन सावन में पाखंडियों का खेल बड़ा हो जाता है। लेकिन भगवान भोलेनाथ तो साफ मन से अर्पित किए हुए पुष्प, माला ओर धतूरे से भी प्रसन्न हो जाते है। भोलेनाथ या किसी भी भगवान को प्रसन्न करने के लिए किसी आडंबर या पाखंड की आवश्यकता नहीं है।

टूटेगा मोहम्मद युसूफ का रिकार्ड

25 रन बनाते ही कप्तान शुभमन गिल रच देंगे नया इतिहास

मैचेस्टर, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई (बुधवार) से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर टेस्ट मैच खेला जाना है। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे हैं, ऐसे में ये मुकाबला उसके लिए करो या मरो का है। अगर भारत मैनचेस्टर टेस्ट हारता है या ड्रॉ करता है, तो सीरीज जीतने का मौका गंवा देगा। इस मुकाबले में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल पर सबकी निगाहें होंगी। शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में नया कीर्तिमान रचने के बेहद करीब हैं। यदि शुभमन मैनचेस्टर टेस्ट मैच में 25 रन बनाते हैं, तो वो 19 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देंगे। शुभमन 25 रन बनाते ही इंग्लैंड में किसी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बन जाएंगे।

फिलहाल ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ के नाम दर्ज है। दाएं हाथ के बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने साल 2006 में इंग्लैंड में 4 मैचों की टेस्ट सीरीज में 90.14 की बेहतरीन औसत से 631 रन बनाए थे। अब शुभमन गिल के पास मोहम्मद यूसुफ को पछाड़ने का सुनहरा मौका है। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में अब तक 3 मैचों में 607 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 101.16 रहा और उन्होंने तीन शतक लगाए। भारतीय कप्तान का मौजूदा सीरीज में सर्वोच्च स्कोर 269 रन रहा है, जो उन्होंने बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में बनाया।

इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन (एशियाई बैटर)

मोहम्मद यूसुफ (पाकिस्तान) - 4 मैच, 631 रन, 2006
शुभमन गिल (भारत)- 3* मैच, 607 रन, 2025
राहुल द्रविड़ (भारत)- 4 मैच, 602 रन, 2002
विराट कोहली (भारत)- 5 मैच, 593 रन, 2018
सुनील गावस्कर (भारत)- 4 मैच, 542 रन, 1979
सलीम मलिक (पाकिस्तान)- 5 मैच, 488 रन, 1992

शुभमन गिल को लेकर ग्रेग चैपल ने कही है बड़ी बात

भारतीय टीम के पूर्व कोच ग्रेग चैपल ने शुभमन गिल को लेकर बड़ी बात कही है। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइंफो में अपने कॉलम में लिखा, ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट शुभमन गिल के अब तक के करियर की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। सिर्फ एक बल्लेबाज के तौर पर नहीं, बल्कि कप्तान के तौर पर भी। चैपल का मानना है कि गिल के पास सीखने का समय बहुत कम है और वो अपनी भावनाएं नहीं दिखा सकते। भारतीय टीम ने तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी 2025 की शुरुआत लीड्स टेस्ट में पांच विकेट से हार झेलकर की। इसके बाद टीम इंडिया ने एजबेस्टन टेस्ट मैच में जबरदस्त वापसी की और मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 336 रनों की रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की। हालाकि, लॉर्ड्स टेस्ट मैच में मिली 22 रनों से हार ने उसे बैकफुट पर ढकेल दिया।

मैनचेस्टर टेस्ट :आकाशदीप का भी खेलना मुश्किल

नीतीश-अर्शदीप इंजर्ड चौथे टेस्ट से बाहर गंभीर के सामने प्लेइंग-11 चुनना मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर में खेले जाने वाले चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को दो बड़े झटके लगे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी इंजरी के चलते चौथे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। वहीं, तेज गेंदबाज आकाशदीप का भी खेलना मुश्किल है। उन्हें भी चोट लगी है। ऐसे में 23 जुलाई से शुरू हो रहे इस मुकाबले से पहले कप्तान गिल और कोच गौतम गंभीर के सामने प्लेइंग इलेवन को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

नीतीश कुमार रेड्डी को जिम में ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लगी है और स्कैन में लिगामेंट डैमेज की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह चोट रविवार को लगी जब रेड्डी जिम में ट्रेनिंग कर रहे थे। इस घटनाक्रम ने भारत की चौथे टेस्ट की तैयारियों को एक और झटका दिया है। रेड्डी को चोटिल होने से पहले तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह भी फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं। वहीं, इसके चलते हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज को टीम में कवर के रूप में शामिल किया गया है।

जसप्रीत बुमराह, जिन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते केवल तीन टेस्ट खेलने के लिए योजना बनाई गई है, पहला और तीसरा टेस्ट खेल चुके हैं। अब टीम प्रबंधन बुमराह को चौथे टेस्ट में उतारने पर विचार कर रहा है, खासकर जब तीसरे और चौथे टेस्ट के बीच आठ दिनों का अंतर मिला है। रेड्डी ने लीड्स में पहला टेस्ट नहीं खेला, लेकिन बर्मिंघम और लॉर्ड्स में उन्हें मौका मिला। बर्मिंघम में उनका प्रदर्शन फीका रहा। कुल 2 रन बनाए और 6 ओवर में कोई विकेट नहीं लिया। वहीं, लॉर्ड्स टेस्ट में उन्होंने इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजों को एक ही ओवर में आउट किया, और दूसरी पारी में भी ज़ैक क्रॉली को फिर से आउट किया। बल्ले से उन्होंने 30 और 13 रन बनाए।

ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर के तौर पर मिल सकता है मौका

अगर ऋषभ पंत, जो उंगली की चोट से जूझ रहे हैं, स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के रूप में खेलते हैं, तो ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर के रूप में मौका मिल सकता है। ऐसे में जुरेल और रेड्डी के बीच चयन की संभावना थी, लेकिन रेड्डी की चोट ने तस्वीर साफ कर दी है।

आलरांडर शार्दुल ठाकुर की वापसी संभव

भारत ने अब तक सभी टेस्ट में सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर को खिलाया है। पहले टेस्ट में शार्दुल ठाकुर, और अगले दो में रेड्डी खेले। यदि रेड्डी अनुपलब्ध रहते हैं, तो शार्दुल ठाकुर की वापसी संभावित है। भारत फिलहाल 5 मैचों की सीरीज़ में 1-2 से पीछे चल रहा है, और चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा।

बीसीसीआई को मिला आईसीसी से झटका

भारत के हाथ से फिसल गई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की सिंगापुर में हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बैठक में अगले सत्र के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की मेजबानी के साथ आईसीसी के एसोसिएट में दो नए देशों की एंट्री और अफगानिस्तान क्रिकेट में महिला टीम के विकास पर अहम फैसले लिए गए। इस बैठक की सबसे खास बात अगले डब्ल्यूटीसी की मेजबानी को लेकर रही। पिछले तीन बार से इंग्लैंड में डब्ल्यूटीसी के फाइनल का आयोजन किया जा रहा है। चौथे सत्र में भारत के अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भी इस दौड़ में था, लेकिन मेजबानी नहीं मिल पाई।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अगले तीन सत्र के फाइनल की मेजबानी इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट को मिली

ही है। डब्ल्यूटीसी 2027, 2029 और 2031 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड में खेला जाएगा। इससे पहले के हुए अब तक के तीन फाइनल मैच की मेजबानी भी ईसीबी ने की है। डब्ल्यूटीसी की मेजबानी की रेस में बीसीसीआई भी थी, लेकिन मेजबानी नहीं मिलने से उसे एक बड़ा झटका लगा है।

आईसीसी परिवार में दो नए सदस्य

सिंगापुर में हुए इस बैठक में आईसीसी परिवार में दो नए सदस्य को भी शामिल किया गया। इस तरह अब आईसीसी में कुल सदस्यता 110 हो गई है। दो नए सदस्य तिमोर-लेस्ते क्रिकेट फेडरेशन और जाम्बिया क्रिकेट यूनियन है। ये दोनों देश अब औपचारिक रूप से आईसीसी के एसोसिएट सदस्य बन गए हैं। इन दोनों देशों में पिछले कुछ सालों ने रीजनल स्तर पर क्रिकेट के विकास पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया है। ऐसे में आईसीसी की सदस्यता मिलने के बाद इन दोनों देशों में क्रिकेट अब तेजी आगे बढ़ने की उम्मीद है।

मेजर लीग सॉकर, मेसी ने दो गोल और दो असिस्ट किए

इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क रेड बुल्स को 5-1 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

मेजर लीग सॉकर के खेले गए मैच में लियोनेल मेसी और तेलास्को सेगोविया की शानदार गोल की बदौलत इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क रेड बुल्स को 5-1 से हराया। इस मैच में मेसी ने दो गोल और दो असिस्ट किए, जबकि सेगोविया ने भी दो गोल दागे। पहले हाफ तक दोनों टीमों की ओर से गोल हुए। मैच के 14वें मिनट में न्यूयॉर्क रेड बुल्स की ओर से अलेक्जेंडर हैक ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। वहीं, इंटर मियामी ने तीन मिनट के अंदर दो गोल करके बढ़त बना ली। 24वें मिनट में मेसी का शानदार पास जोर्डी एल्बा को मिला, जिससे स्कोर 1-1 से बराबर हुआ। इसके बाद मेसी ने एक और बेहतरीन लॉफ्टेड पास दिया, जिसे सेगोविया ने गोल में बदलकर मियामी को बढ़त दिलाई। सेगोविया ने गोल कर मियामी को 3-1 से बढ़त दिला दी। सेगोविया ने गोल कर मियामी को 3-1 से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में मेसी ने 60वें मिनट में ब्रेकअवे पर गोल किया और फिर 75वें मिनट में लुइस सुआरेज के पास को कंट्रोल कर बाएं पैर से शॉट मारकर गोल कर टीम को 5-1 से आगे कर दिया।

मेसी ने मेजर लीग सॉकर में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया

यह मेसी का पिछले सात मैचों में छठा ऐसा मैच रहा, जिसमें उन्होंने एक से अधिक गोल किए। मेसी ने इस मैच के साथ मेजर लीग सॉकर के इतिहास में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह दो साल में कम से कम 35 गोल और 25 असिस्ट करने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले यह कारनामा रॉबी कीन (2013-14), सेबेस्टियन जियोविन्को (2015-16), कार्लोस वेला (2018-19) और कुचो हर्नांडेज (2023-24) ने किया था।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

अमिताभ बच्चन की डॉन के डायरेक्टर चंद्र बरोट नहीं रहे , 86 साल की उम्र में निधन

बॉलीवुड इंडस्ट्री के एक दुखद खबर सामने आई है। 1978 में अमिताभ बच्चन की आई फिल्म डॉन के डायरेक्टर चंद्र बरोट का 86 की उम्र में निधन हो गया है। उनका निधन रविवार 20 जुलाई की सुबह हुआ है। वो काफी समय से बीमार थे और बढ़ती उम्र के कारण होने वाली परेशानियों से भी पीड़ित थे।

चंद्र बरोट की मौत से हिंदी सिनेमा में दुख की लहर दौड़ पड़ी है। फिल्ममेकर फरहान अख्तर जिन्होंने उनकी फिल्म डॉन को दोबारा साल 2006 में बनाया और अब उसे एक फ्रेंचाइजी के रूप में खड़ा किया, वो भी उनकी मौत से सदमे में हैं। फरहान ने इंस्टाग्राम पर चंद्र बरोट को याद करते हुए लिखा है, ये सुनकर काफी दुख हुआ कि ओरिजिनल डॉन के डायरेक्टर अब हमारे बीच नहीं रहे। मेरी उनके परिवार के लिए दिल से संवेदनाएं। चंद्र बरोट डॉन जैसी कल्ट-क्लासिक फिल्म देने के अलावा कई सारी बेहतरीन हिंदी फिल्मों में भी बतौर असिस्टेंट काम कर चुके थे। उन्होंने मनोज कुमार की फिल्म पूरब और पश्चिम के अलावा यादगार, रोटी कपड़ा मकान जैसी फिल्मों में भी असिस्ट किया था। चंद्र बरोट ने बंगाली फिल्मों में भी अपना हाथ आजमाया था। लेकिन डायरेक्टर का हमेशा अपने करियर के लिए कहना रहा है कि उन्हें पब्लिक सिर्फ और सिर्फ अमिताभ बच्चन की डॉन फिल्म के लिए याद रखेगी। साल 2006 में जब फरहान अख्तर, चंद्र बरोट की बनाई डॉन को दोबारा बना रहे थे।

मेट्रो बाजार

जून तिमाही में सामने आए 15,851 करोड़ रुपए के फर्जी आईटीसी दावे

नई दिल्ली । माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 15,851 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) दावों का पता लगाया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 29 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, जाली कंपनियों की संख्या में सालाना आधार पर कमी आई है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिकारियों द्वारा पकड़ी गई फर्जी कंपनियों की कुल संख्या 3,558 रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के आंकड़े 3,840 से कम है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की अध्यक्षता में राज्यों के वित्त मंत्रियों की एक समिति वर्तमान में विशिष्ट क्षेत्रों में कर चोरी का अध्ययन कर रही है और आईटीसी धोखाधड़ी को रोकने के तरीकों पर विचार कर रही है। एक अधिकारी ने कहा, ''औसतन, हर महीने लगभग 1,200 फर्जी कंपनियां पकड़ में आ रही हैं। अप्रैल-जून की अवधि में फर्जी कंपनियों की संख्या पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कम है, जो दर्शाता है कि फर्जी जीएसटी पंजीकरण के खिलाफ अभियान कारगर रहा है। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही के दौरान केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिकारियों द्वारा पकड़ी गई फर्जी कंपनियों और आईटीसी धोखाधड़ी के आंकड़ों के अनुसार, 3,558 फर्जी फर्मों से जुड़े 15,851 करोड़ रुपये का आईटीसी धोखाधड़ी से लिया गया।

भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया में नंबर-1, यूपीआई से हर महीने 1800 करोड़ से ज्यादा ट्रांजेक्शन

नई दिल्ली । भारत ने फास्ट और सिक्योर डिजिटल पेमेंट सेक्टर में दुनिया में पहला स्थान हासिल कर लिया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की बदौलत भारत ने डिजिटल ट्रांजैक्शन में यह मुकाम हासिल किया है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा शुरू किया गया यूपीआई आज देश में पैसे के लेन-देन का सबसे आसान और पॉपुलर तरीका बन चुका है। यूपीआई की मदद से लोग एक ही मोबाइल एप से अपने कई बैंक अकाउंट को जोड़ सकते हैं और कुछ ही सेकेंड में सुरक्षित, कम लागत वाले लेनदेन कर सकते हैं। एनपीसीआई के अनुसार, यूपीआई से हर महीने 1,800 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन होते हैं। जून 2025 में यूपीआई ने 1,839 करोड़ ट्रांजैक्शन के साथ 24.03 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया, जो पिछले साल जून 2024 के 1,388 करोड़ ट्रांजैक्शन की तुलना में 32त्न की ग्रोथ को दशार्ता है।

यूपीआई ने डिजिटल-डोमिनेटेड इकोनॉमी की ओर बढ़ाया- पीआईबी ने कहा, यूपीआई ने भारत को कैश और कार्ड बेस्ड पेमेंट से दूर ले जाकर डिजिटल-डोमिनेटेड इकोनॉमी की ओर बढ़ाया है।% यह मंच न केवल बड़े बिजनेस के लिए, बल्कि छोटे दुकानदारों और आम लोगों के लिए फाइनेंशियल इंक्लूजन का एक मजबूत साधन बन गया है।

कोई कॉल नहीं करेगा

जब रवि किशन लगा खत्म हुआ फिल्मी करियर, फिर कैसे भरी उड़ान?

एक्टर-पॉलिटिशियन अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ की स्ट्रगल को लेकर अक्सर खुलकर बात करते हैं। हाल ही में उन्होंने द ग्रेट इंडियन कपिल शो में शिरकत की। उन्होंने बताया कि कैसे राजनीति में आने के बाद आए उतार-चढ़ाव से उन्हें लगा था कि अब उनका फिल्मी करियर खत्म हो गया।

क्यों लगा नहीं आएगा फिल्म इंडस्ट्री से कॉल?- रवि किशन जल्द ही अजय देवगन स्टारर सन ऑफ सरदार में दिखाई देंगे। अपने जर्नी पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि, %%लापता लेडीज को काफी सराहना मिली, ये फिल्म ऑस्कर तक पहुंची। मैं 34 साल से ऐसी सफलता की प्रार्थना कर रहा था। शुरू में कुछ भी मेरे हक में नहीं हुआ था। लेकिन महादेव की कृपा से मैं गोरखपुर का सांसद बन गया। उस समय मुझे लगा कि अब मुझे फिल्म इंडस्ट्री से कभी कोई कॉल नहीं आएगा।

कैसे बरसी रवि पर भगवान की कृपा?- रवि किशन ने माना कि उन्हें लगा कि उनका फिल्मी करियर अब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, ÷मैंने सोच लिया था कि अब इंडस्ट्री से अब कभी काम नहीं मिलेगा। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उन्होंने कहा, आखिरकार भगवान की कृपा ही आपको रास्ता दिखाती है। फिर किरण राव की फिल्म आई। इसमें मैंने एक पुलिसवाले का रोल किया जो लगातार पान चबाता रहता है। इस रोल के लिए मुझे एक ही जगह बैठे-बैठे 160 पान खाने पड़े। और इसी एक जगह से मेरी फिल्म ऑस्कर तक जा पहुंची। रवि किशन ने आगे कहा कि, ÷सीन करते वक्त मैंने उन्हें कहा कि थोड़ा रिलैक्स हो जाओ। आधा दिन बीतने के बाद आखिर उन्होंने समझ लिया।

क्या है सन ऑफ सरदार 2 में रवि के किरदार की कहानी?

रवि किशन ने साथ ही फिल्म %सन ऑफ सरदार 2% में अपने किरदार की मजेदार कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि उनका किरदार आधा बिहारी और आधा पंजाबी है। सिर पर रंग-बिरंगी पगड़ी पहनता है। रवि ने शेयर किया कि उनके किरदार के पिता एक पंजाबी ट्रक ड्राइवर थे, जिन्होंने बिहार में शादी की थी। फिल्म में उनके पिता जहां जाते हैं वहां एक शादी कर लेते हैं। इससे आगे वो न बढ़ें इसलिए रवि पिता की टांगे तोड़ देते हैं।

दुष्कर्म का केस वापस लेने आरक्षक ने लेडी टीचर के साथ की मारपीट

भोपाल। अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित सागर स्टेट के पास शासकीय स्कूल की टीचर से आरक्षक नीलेश व्यास द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। टीचर ने आरक्षक पर एसिड अटैक करने की बात भी कही है। हालांकि एसिड अटैक के शरीर पर निशान नहीं मिले है।

पुलिस ने टीचर की शिकायत पर आरक्षक के खिलाफ दर्ज कर ली है। एसिड अटैक हुआ या नहीं इसकी जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार 43 साल की महिला करोंद इलाके में रहती है और शासकीय स्कूल में टीचर है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार रात वह पड़ोस में रहने वाले दंपती के साथ राज दरबार होटल खाना खाने गई थी। वहां से रात करीब साढ़े 12 बजे वह स्कूटर से घर लौट रही थी। इस दौरान पड़ोसी के बच्चे को पौटी आई और उनकी पड़ोसी उसे सड़क किनारे दीर्धशंका कराने लगी। उनके पति बाइक से राज दरबार होटल पानी की बोतल लेने गए। टीचर स्कूटर के पास खड़ी थी, तभी वहां आरक्षक नीलेश व्यास पहुंचा।

शौक पूरे करने मास्टर-की से बाइक चुराने वाले तीन युवक गिरफ्तार

भोपाल। बागसेवनिया पुलिस तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से तीन बाइक जब्त की है। जब्त बाइक की कीमत दो लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी अपने शौक पूरे करने बाइक चुरा रहे थे। वे चोरी की बाइक बेचकर हाथ लगा पैसा अय्याशी में उड़ा देते थे। उनके पास से बाइक चुराने वाली मास्टर की भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार राम आरसे, निवासी कमला नगर पिपलानी ने शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि एमपीबी नेहरू नगर में नौकरी करते हैं। दिन में रेकी करने के बाद रात में चुराते थे दो पहिया वाहन 15 जुलाई की सुबह उन्होंने अपनी बाइक एम्स अस्पताल की पार्किंग में खड़ी की थी। शाम करीबन चार बजे वह पार्किंग में पहुंचे तो बाइक चोरी हो चुकी थी। एक अन्य बाइक हबीबगंज कलारी के पास से चोरी होने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए। इस दौरान कुछ संदिग्ध बाइक चुराते हुए नजर आए। पुलिस ने उनका हुलिया मुखबिरों को भेजा। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर तीनों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। तीनों की पहचान गुलशन चंदेलकर व मनमोहन मेहरा और भगवान सिह मेहरा के रूप में की गई। पूछताछ में आरोपियों ने तीन बाइक क्रमशः एम्स पार्किंग, हबीबगंज नाका और ऐशबाग क्षेत्र से चोरी करने की बात स्वीकारी। आरोपियों ने बताया कि वह शराब पीने के आदी है और अपने शौक पूरा करने के लिए पार्किंग एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों से बाइक चुरा रहे थे।

कलचुरी समाज ने किया महापौर का सम्मान

भोपाल। स्वच्छता सर्वेक्षण में शानदार प्रदर्शन करते हुए भोपाल के दूसरा स्थान प्राप्त करने पर कलचुरि सेना व विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने ढोल-ताशों की गूंज, फूलों की वर्षा और नारों की गूंज के बीच महापौर मालती राय का सम्मान किया। उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पमालाओं के साथ स्वच्छ भोपाल - सुंदर भोपाल स्लोगन युक्त स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। सम्मान समारोह के माध्यम से सामाजिक संगठन ने यह संदेश भी दिया कि समाज की बेटियाँ यदि नेतृत्व करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

महिला एसआई की भूमिका संदिग्ध, ब्लैकमेल से दुखी होकर उठाया कदम

आत्मघाती कदम उठाने वाले टीआई की हालत नाजुक, निजी अस्पताल में इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रविवार शाम जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। वे हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। उनके इस आत्मघाती कदम के पीछे एक महिला एसआई की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। सूत्रों की माने तो महिला एसआई द्वारा की जा रही ब्लैकमेलिंग के चलते थाना प्रभारी ने आत्महत्या का प्रयास किया है। हालांकि अभी थाना प्रभारी ऑब्जर्वेशन में है और बयान देने की स्थिति में नहीं है। उनके बयान होने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा कि आखिरकार इतने सीनियर थाना प्रभारी ने जहर क्यों खाया।

रूपेश दुबे के बयान नहीं हो सके हैं, लेकिन पुलिस इस सनसनीखेज प्रकरण में अपने स्तर पर जांच कर रही है। उनकी पत्नी से अभी प्राथमिक पूछताछ की जा चुकी है। जल्द ही पुलिस विस्तृत बयान लेगी और आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। टीआई रूपेश दुबे कोलार इलाके में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहते हैं। इसके अलावा उन्होंने निशातपुरा थाने के पास भी एक मकान किराए से लिया हुआ है।

रविवार रात इसी मकान में उन्होंने जहरीला पदार्थ खाया। बताया जा रहा है कि टीआई रूपेश दुबे की पत्नी से फोन पर बहस

चल रही थी और उसी दौरान उन्होंने जहर खा लिया। जहर खाने की बात उन्होंने पत्नी को बताई। जिसके बाद पत्नी मौके पर पहुंचीं और स्टाफ की मदद से उन्हें अस्पताल लाया गया।

पारिवारिक अनबन और विवादों से परेशान थे

सूत्रों ने बताया कि महिला एसआई द्वारा ब्लैकमेलिंग से थाना प्रभारी रूपेश के परिवार में कलह होने लगी थी। पति पत्नी में महिला एसआई को लेकर विवाद होने लगा?था और पत्नी उनसे अलग रहने लगी थी। रूपेश दुबे सुलझे हुए व्यक्ति है और परिवार के लिए जिम्मेदार हैं। साथ ही आमजन के लिए उनके व्यव्यहार काफी अच्छे थे। लिहाजा घटना की जानकारी मिलने के बाद न केवल पुलिस कर्मी और आलाधिकारी अस्पताल पहुंचे थे, बल्कि बड़ी मात्रा में आमजन और पत्रकार भी उनसे मिलने के लिए अस्पताल पहुंचे थे।

इ्यूटी जा रहे एसआई को अज्ञात कार ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र के केएन प्रधान तिराहे के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक पर जा रहे विशेष शाखा के उपनिरीक्षक को जोरदार टक्कर मार दी। सिर व नाक में चोट आने से वह गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद आरोपी चालक फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार ए-ब्लॉक, पुलिस आईटीआई के सामने जहांगीराबाद निवासी राहुल बुधोलिया (40) पुलिस की विशेष शाखा भोपाल में उपनिरीक्षक के पद पर पदस्थ हैं। विगत 18 जुलाई की सुबह करीब सवा 8 बजे वह शासकीय मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 03 ए 8572 से प्रोफेसर कॉलोनी स्थित ऑफिस जा रहे थे। जैसे ही वह केएन प्रधान तिराहे पर पहुंचे, पीतल मंदिर की तरफ आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह गाड़ी समेत नीचे गिर गए। उनके सिर व नाक में गंभीर चोट आई है। गंभीर हालत में उन्हें चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद आरोपी चालक अपनी कार लेकर मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है। घटनास्थल और उस ओर आने-जाने वाले रास्तों पर लगे कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

बीएसएसएस का इंक्यूबेशन सेंटर अब आईपीएस शर्मा के नाम पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज में एमएसएस सपोर्ट फाउंडेशन ने आईपीएस मनीष शंकर शर्मा की स्मृति में बरगद का पौधा लगाकर उन्हें याद किया तथा कॉलेज प्रबंधन द्वारा बीएसएसएस इनक्यूबेशन सेल का नामकरण स्व शर्मा मेमोरियल बीएसएसएस इनक्यूबेशन सेल के रूप में किया।

स्पेशल डीजी रहे शर्मा बीएसएसएस कॉलेज के 1986 बैच के एलुमिनाई थे। उनकी दूरदर्शिता, लीडरशिप, कर्तव्य निष्ठता, और वैश्विक दृष्टिकोण को देखते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर फादर जॉन पीजे ने इनक्यूबेशन सेल मनीष शंकर शर्मा के नाम समर्पित किया। इस अवसर पर स्व शर्मा के पिता व मुख्य सचिव केएस शर्मा, चाचा व विधायक डॉ सीताशरण शर्मा, पत्नी आरती, पुत्र, भाई, अन्य परिवारजन तथा अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

इस मौके केएस शर्मा ने इनक्यूबेशन सेल को 5 लाख रुपए का चैक भेंट किया।

उल्लेखनीय है कि शर्मा को अंतरराष्ट्रीय पहचान का विशिष्ट प्रमाणपत्र तब मिला था, जब अमेरिका के सैन डिएगो शहर में मनीषशंकर शर्मा दिवस घोषित किया। यह सम्मान पाने वाले वह एकमात्र भारतीय आईपीएस अधिकारी है।

नशे से दूरी, जरूरी अभियान के तहत मानव श्रंखला बनाकर नशा मुक्ति का संदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नशे से दूरी- है जरूरी विशेष अभियान के तहत राजधानी पुलिस स्कूलों, कॉलेजों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक स्थानों पर जागरुकता अभियान चला रही है। अभियान में नशे से होने वाले भयावह परिणाम तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर होने वाले विकारों से अवगत कराया गया' विद्यार्थियों तथा आमजनों द्वारा मानव श्रंखला बनाकर नशा मुक्ति की शपथ ली गई तथा स्टूडेंट्स के ग्रुप द्वारा नशा मुक्ति आधारिक नुक्कड़ नाटक का मनमोहन मंचन भी किया और लोगों को नशा मुक्ति हेतु प्रेरित का संदेश प्रसारित किया गया।

थाना शाहजहाँनाबाद क्षेत्र अंतर्गत कैंसर हॉस्पिटल आश्रय स्थल ईदगाह हिल्स मे मानव श्रंख्ला बनाई जाकर पर नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत लोगो को स्वयं एवं अपने परिवार को नशे से दूर रखने तथा नशे के प्रति लोगो को जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया एवं नशे से होने वाली पारिवारिक समस्यायों के संबंध मे सजकता और सतर्कता बरतने के संबंध मे समझाइश दी गई। थाना गांधी नगर क्षेत्र की नई बस्ती और अब्बास नगर नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए। छोला मंदिर क्षेत्र के पटेल मार्केट भानपुर में नशा मुक्ति अभियान का आयोजन हुआ। जिंसी चौराहा थाना जहांगीराबाद क्षेत्र में मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को जागरूक किया गया। थाना शाहजहांनाबाद में नशा मुक्ति अभियान के तहत नशे से दूरी है जरूरी का प्रचार-प्रसार किया गया है। थाना एमपी नगर इस अभियान में मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया है।

मेट्रो एंकर गौतम नगर में हुई वारदात

दफ्तर का ताला तोड़कर 2 लाख की नगदी सहित लैपटॉप चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित गौतम नगर महाराष्ट्र बैंक के पास एक दफ्तर का ताला तोड़कर बदमाश 2 लाख 37 हजार रुपए की नगदी और लैपटाप सहित धातू की मूर्ति चुराकर ले गए। घटना शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की बताई जा रही है। पुलिस ने दफ्तर के मालिक की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ नकबजनी का मामला दर्ज कर लिया है

पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार 46 साल के राकेश कुमार सोनी, मकान नंबर-388, श्रीकुंज रचना नगर, गोविंदपुरा में रहते हैं। उनका दफ्तर ई-72 गौतम नगर में महाराष्ट्र: बैंक

के पास है। दफ्तर में शासकीय प्रचार एवं शासकीय आयोजन की प्लानिंग होती है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार रात साढ़े 11 बजे सभी कर्मचारियों के घर जाने के बाद दफ्तर बंद किया था। अमूमन रविवार को दफ्तर की छुट्टी होती है, लेकिन काम होने के कारण इस रविवार को छुट्टी रद्द कर दी थी।

सुबह करीब 12 बजे दफ्तर में काम करने वाला राजू भारती ड्यूटी पहुंचा तो उसने दफ्तर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ देखा। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि रा सामान बिखरा पड़ा है। उसने तत्काल राकेश कुमार को घटना की जानकारी दी। वे दफ्तर पहुंचे तो अंदर अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी में कर्मचारियों के वेतन देने के लिए रखे गए 2 लाख 37 हजार रुपए की नगदी नहीं थी। इसके अलावा दफ्तर से एक डेल कंपनी का लैपटॉप और धातू की मूर्ति चोरी हुई है।

जिलाबदर का उल्लंधन करते पकड़ाया बदमाश, रासुका की कार्रवाई

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने अटल पथ से एक निगरानी बदमाश को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ जिलाबदर के उल्लंघन और मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा कानून के तहत रासुका की कार्रवाई की है। आरोपी पर तीस अपराध दर्ज है। लगातार आपराधिक प्रवृत्तियों में लिप्त होने के कारण उसे भोपाल और आसपास के जिलों की सीमाओं से एक साल तक दूर रहने की हिदायत दी गई थी। बावजूद इसके आरोपी इलाके में घूम रहा?था। थाना प्रभारी उप निरीक्षक राघवेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि रोहित कबीरपंथी उर्फ बाली उर्फ रितिक पंथी (27) सुनहरी बाग, टीटी नगर में रहता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022